

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 28, 1979 (श्रावण 6, 1901)
No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 28, 1979 (SRAVANA 6, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई, 1979

सं० पी०/1867-प्रशा० I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद से डा० पी० एन० कपूर का त्यागपत्र 2-7-79 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव
मुख्य अध्यक्ष

संघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून, 1979

सं० ए० 32013/1/79 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के

दिनांक 26 जून, 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड ग)/वैयक्तिक सहायकों (के० म० स्टे० मे० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीख से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तित, अनन्तित,

अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निदिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है —

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री पी० सी० माथुर—21-5-79 से 19-7-79 तक	
2.	श्री जे० पी० गोयल—21-5-79 से 30-6-79 तक	

अर्थाई प्रौढ तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है—

क्र० सं०	नाम	धारित नियमित पद	पद जिम पर तदर्थ नियुक्ति का गई है	अवधि जिम पर तदर्थ नियुक्ति का गई
1	2	3	4	5
1. श्री एम० पी० मेहरा		ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	1-7-79 से 31-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।
2. श्री श्री० पी० देवरा		ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	60 दिन, 20-6-79 से 18-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो।
3. श्री हनुम चन्द		ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	60 दिन, 20-6-79 से 18-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।
4. श्री एच० सं० कटोव		ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	60 दिन, 20-6-79 से 18-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।
5. श्री टी० आर० शर्मा		स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	60 दिन, 20-6-79 से 18-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।
6. श्री सं० एम० मुशानो		स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए)	60 दिन, 20-6-79 से 18-8-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।

2. उरुका व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए) के पद पर उनका नियुक्ति पूर्णतः अर्थाई और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। सर्वश्री एम० पी० मेहरा और श्री० पी० देवरा को उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ए के पद पर तदर्थ नियुक्तियाँ इस आधार पर की गई हैं कि इन का अनुभूदन कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जायेगा।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 जुलाई, 1979

सं० ओ० दो०-992/72-स्था०—श्री कुलदीप सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप, उनकी सेवाएं दिनांक 4-10-78 से राष्ट्रीय पुलिस आयोग को सौंपी जाती हैं।

2. उनके राष्ट्रीय पुलिस आयोग की प्रतिनियुक्ति से पहले श्री कुलदीप सिंह का हैडक्वार्टर इम्फाल (मणिपुर) था।

3. इस महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या ओ० दो० 992/72-स्थापना दिनांक 8-12-78 को रद्द किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1979

I

सं० ओ० दो० 67/72-स्था०—ले० कर्नल बी० के० साहनी, भारतीय थल सेना अधिकारी, जो कि केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस बल पर प्रतिनियुक्ति पर थे, ने सेवा निवृत्ति पर दिनांक 31-7-76 के अपराह्न से प्रिंसीपल, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०, नीमच के पद का कार्यभार छोड़ा।

II

ले० कर्नल बी० के० साहनी (सेवा निवृत्त) ने पुनर्नियुक्ति पर दिनांक 1-8-76 पूर्वाह्न से प्रिंसीपल सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०, नीमच के पद का कार्यभार संभाला।

शुद्धि-पत्र

सं० पी० सात 4/73-स्था०—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० पी० सात-4/73-स्थापना दिनांक 17-7-1973 का अवलोकन करें।

2. क्रम संख्या 33 पर छपे नाम “श्री भूप सिंह” के स्थान पर “श्री भूप सिंह यादव” पढ़ा जाए।

सं० डी०-एक-13/78-स्था०—मंत्री मंडल सचिवालय, भारत सरकार द्वारा उनकी सेवाएं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को समर्पित करने के फलस्वरूप निम्नलिखित अधिकारियों

को-ऑर्डिनेट के सामने लिखी वाहिनी व दिनांक से उप-मुनिम अर्थोक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुनिम बल में नियुक्त किया जाता है—

क्र० सं०	नाम	वाहिनी	दिनांक
सर्वश्री			
1.	एम० सी० चावला	53 वाहिनी	11-6-79 (पू०)
2.	श्री एच० एम० अग्नेजा	30 वाहिनी	15-6-79 (अ)

ए० के० बन्धोपाध्याय
महायक निदेशक (प्रशामन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1979

सं० 10/35/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में मानचित अधिकारी तथा इस समय सहायक महापंजीकार (मानचित) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत डा० बी० के० राय को तारीख 4 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक अस्थाई तौर पर नियमित आधार पर सहायक महापंजीकार (मानचित) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 11/78/79-प्रशा०-I-12273—राष्ट्रपति, भारत प्राथमिक सेवा के आंध्र प्रदेश संवर्ग के अधिकारी श्री एम० एम० जयराव को तारीख 22 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री जयराव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

पं० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1979

सं० 51(12)-त्रा०-I/76—श्रीकैमै, आर० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हैं कि पेन प्रेंड्स प्राविडेंट इंशोरेंस कम्पनी लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिममाणन हो गया है;

इसलिए, अब मैं अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) का धारा 93 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूँ।

आर० के० महाजन
बीमा नियंत्रक

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1979

सं० 40011(1)/79-प्रशा०-II—(1) निम्नलिखित लेखा अधिकारी, अपनी सेवानिवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के समक्ष लिखी तारीख के अपराह्न से, पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिए गए थे।

क्र० सं०	नाम रोल्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरित होने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	बी० एम० मल्होत्रा (पी०/168)	स्थाई लेखा अधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू
2.	तख्त सिंह (पी०/612)	—उक्त—	31-8-78	—उक्त—
3.	आर० एल० छिवर (ओ/अमी आवंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायुसेना), देहरादून
4.	आर० आर० जोशी (पी०/5)	स्थाई लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि), मेरठ

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
5. के० के० अदकार (ओ/138)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास	
6. एम० गोपालकृष्णन (पी/28)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	
7. एम० आर० वर्मा (ओ/142)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद	
8. मदन लाल कपूर (ओ/192)	—उक्त—	31-3-79	—उक्त—	
9. आर० जयरामन (पी/91)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकत्ता	
10. आर० देवराजन (पी/540)	—उक्त—	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अधिकारी), पूना	
11. पी० एल० शर्मा (पी/597)	—उक्त—	31-3-79	—उक्त—	
12. जी० एल० मका शोर (ओ/25)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	—उक्त—	
13. राम चन्द्र गुगलानी (पी/68)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायुसेना), देहरादून	
14. पी० आर० गोसायन देविकन (पी/214)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	
15. जगदीश्वर मुखर्जी (ओ/अभी आवंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकत्ता	
16. डी० रामास्वामी (ओ/250)	—उक्त—	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	
17. आर० कृष्णाभूति (पी/347)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा/संयुक्त नियंत्रक (निधि), मेरठ	
18. हिममत राय कपूर (ओ/245)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	
19. बी० एस० थापर (पी०/444)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	—उक्त—	
20. एच० आर० सहगल (पी/197)	—उक्त—	31-3-79	—उक्त—	
21. बलदेव मित्र (पी/22)	—उक्त—	30-4-79	—उक्त—	
22. के० एल० कपूर (पी/256)	—उक्त—	30-4-79	—उक्त—	
23. एम० जी० जोशी (पी/271)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर, मेरठ।	
24. अजित कुमार बसु (पी/504)	—उक्त—	30-4-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकत्ता	
25. श्रीम प्रकाश वर्मा (पी/525)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून	
26. के० बेंकटाचलम (पी/61)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	
27. के० गोपालकृष्णन (ओ/370)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	
28. एच० के० गुप्त (पी/339)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद	
29. के० कृष्णन (पी/23)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	
30. पी० एल० सियाल (पी/452)	—उक्त—	30-4-79	—उक्त—	

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
31. श्री० श्रीनिवासन (पी/66)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुना	
32. एम० दामोदरन (पी/159)	—उक्त—	30-4-79	—उक्त—	
33. एच० एल० खरबन्दा (ओ/272)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-79	—उक्त—	
34. के० शक्तवर्मन राव (पी/56)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-79	रक्षा लेखा निरीक्षक (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास	
35. एन० कृष्णामूर्ति (पी/319)	—उक्त—	30-4-79	—उक्त—	
36. टी० अश्वहाम (ओ/118)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-79	—उक्त—	
37. के० विश्वेश्वरन (अभी आर्दित नहीं)	—उक्त—	28-2-79	—उक्त—	
38. एम० एच० गैतिकर (अभी आर्दित नहीं)	—उक्त—	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अधिकारी) पुना	
39. वाई० डब्ल्यू० तारे (ओ/394)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
40. एम० बी० मन्दवगाने (पी/528)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुना	
41. एम० राममुद्गमनियम (अभी आर्दित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-79	—उक्त—	
42. जे० रामानन्द (पी/320)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-79	—उक्त—	
43. ए० एम० वेंकटामुद्गमनियम (पी/113)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
44. सी० बापीराजू (पी/136)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
45. हरी राम बन्ना (पी/124)	—उक्त—	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	
46. रामापद राय (पी/191)	—उक्त—	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	
47. एम० एन० पट्टक (ओ/242)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अधिकारी) पुना	
48. के० पद्मनाभन (पी/74)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-79	—उक्त—	
49. बी० आर० शेखादि (पी/245)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
50. जी० एम० कुलकर्णी (ओ/13)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास	
51. एम० बी० रामामूर्ति (पी/41)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास	
52. डी० एन० वेंकटरमन (पी/142)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
53. एम० रामानाथन (पी/393)	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—	
54. ओ० पी० वैश (पी/1)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद	

1. रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु की संखेद अधिसूचना करते हैं:—

क्र० सं०	नाम, ग्रेड तथा पोस्टर संख्या	मृत्यु तिथि	विभाग की उपस्थिति में विराम किए जाने की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	श्री० सी० अग्रवाल स्थायी लेखा अधिकारी (पी/487)	10-12-78	11-12-78 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू
2.	आई० एम० सरना, स्थायी लेखा अधिकारी (पी/234)	18-1-79	19-1-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक निधि (मेरठ)
3.	पी० एन० मन्होत्रा, स्थायी लेखा अधिकारी (पी/363)	6-2-79	7-2-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर, मेरठ
4.	गोकुल चन्द्र दाम, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (ओ/338)	22-3-79	23-3-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ

श्री जोगा सिंह स्थाई लेखा अधिकारी (पी/446) से संबंधित डम कार्यालय की संख्या 40011(2)/78/प्रशा०-क दिनांक 5-8-78 की क्रम संख्या 34 को काट दें।

2. निवेदन सेवा विनियमावली, जिल्द-1 के अनुच्छेद 459(1) (मौलिक नियमावली का तदनुसूची नियम 56(ट) के अधीन सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने के लिए दिनांक 12-10-78 को दी गई सूचना को अंकित किए जाने के परिणामस्वरूप श्री टी० सी० श्रीनिवासन, स्थाई लेखा अधिकारी (पी/55), दिनांक 18-4-79 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिए गए। श्री टी० सी० श्रीनिवासन को दिनांक 20-10-78 से 17-12-78 तक 59 दिनों की अर्जित छुट्टी तथा दिनांक 18-12-78 से 17-4-79 से 121 दिनों की अर्द्ध वेतन छुट्टी सेवानिवृत्ति पूर्व प्रदान की गई।

एम० एन० चट्टोपाध्याय
रक्षा लेखा उपमहानियंत्रक (कार्मिक)

रक्षा मंत्रालय

ग्राइनेन्स फैंक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सर्विस स्कीम

कलकत्ता, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 9/79/ए/ई-1(एन० जो०)---डी० जी० ओ० एफ० चैयरमैन महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, स्थानापन्न आधार पर, बिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोन्नत करते हैं:

1. श्री सुदर्शन बरुआ, स्थाई सहायक	स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप 'बी' राजपत्रित)	4-5-79
2. श्री सतीनाथ मुखर्जी, स्थाई सहायक	—वही—	—वही—
3. श्री शक्ति राम मुखर्जी	—वही—	—वही—
4. श्री सुनिति कुमार भट्टाचार्य, स्थाई सहायक	—वही—	—वही—
5. श्री दुर्गाद मंडल, स्थाई सहायक	—वही—	—वही—
6. श्री गोविंद नाथ गुहा, स्थायी सहायक	—वही—	—वही—
7. श्री मनोप चन्द्र परकार, स्थानापन्न सहायक	—वही—	—वही—

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ० (प्रशासन)
हुते आइनेन्स फैंक्टरी

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 25 जून, 1979

सं० 15/10/79-स्था०---महानिदेशक ने श्री टी० सी० साहा को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम-विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में, अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर दिनांक 15 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

ए० के० चक्रवर्ती
महानिदेशक

नियमित आधार पर सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (तान-टेकनिकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जो० चं० हांसदाक
उप निदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक सामग्री विभाग

तागपुर, दिनांक 29 जून, 1979

सं० ई-II(7)---इस विभाग के 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में श्रेणी 3, प्रभाग 2 के अधीन निम्नलिखित जोड़ दिया जाए ---

- प्रविष्टि "कार्डाइट- डब्ल्यू० एम०" के पश्चात् "डेनसिफेस-यू० के०" निमित्त विनिर्दिष्ट स्थल कोवर्गसी माइन्स में अस्थायी अभिप्रयोग हेतु 8 मई, 1980 पर्यन्त" जोड़ दिया जाए;
- प्रविष्टि "जिलामेक्स-बी-यू० के०" निमित्त के पूर्व "डाइनामाइट III-बेलजियम निमित्त" जोड़ दिया जाय।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

मुम्बई-20, दिनांक 27 जून 1979

सं० ई० एस० टी०-1-2(575)/306b---वस्त्र आयुक्त महोदय, श्री सी० शा० कांबले को वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में दिनांक 4-3-1979 से, अन्य आदेश होने तक,

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 जून, 1979

सं० ए० 19012/91/77-स्था० ए०—श्री: आर० एन० कोस्टा, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 14 जून, 1979 के अपराह्न में आगामी आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए० 19012/100/77-स्था० ए०—श्री: वी० के० तारमेकर, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन शास्त्र) को दिनांक 14 जून, 1979 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एम० बालागोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महामर्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० स्था०-I-5520/579-सिले० 74 (क्लास-II)—इस कार्यालय की अधिमूर्चना सं० स्था० I-5371/579-सिले० 74 (क्लास II) दिनांक 30 मई, 1978 के अनुक्रम में श्री जे० एम० शर्मा, अधिकारी सर्वेक्षक, ग्रुप 'बी' की तदर्थ नियुक्ति का अवधि 31-3-79 से 6 माह के लिए और अथवा उस समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 जुलाई 1979

फा० सं० 20 (सी-15) 5/61-ए-1 (वी० 2) :—इस विभाग के श्री डी० के० चौधरी, स्थानापन्न सूक्ष्म चित्रकार (माइक्रोफोटोग्राफिस्ट) की 16 जून 1979 को मृत्यु हो गई।

भीम सैन कालड़ा
प्रशासन अधिकारी
राष्ट्रीय अभिलेखागार
नूतने अभिलेख निदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

निदेशक का कार्यालय

दिल्ली, दिनांक 22 जून, 1979

सं० बी० एम० आई०-66/123/79-स्था०—निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण श्री देव वत्त बसु, अनुभाग अधिकारी, महानिदेशाकार-1 कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता को केन्द्रीय कार्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिवपुर हावड़ा में लेखा अधिकारी के पद पर सं० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रतिनियुक्ति पर 7-6-1979 पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए भ्रमण आदेश न मिलने तक नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सेनगुप्ता
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 5 जून 1979

सं० एफ० 93-152/79-स्था०/12006—श्री: के० एन० भट्टाचार्य, कार्यालय अधीक्षक, प्रधान कार्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकत्ता, को कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी (ग्रुप बी) के पद पर सं० 650-1200 सं० के वेतनमान में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर प्रधान कार्यालय कलकत्ता में 8-6-79 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० टी० एन० अनन्तकृष्णन
निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1979

सं० 3/96/60-एम० दो—श्री इरशाद अली, प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, इम्फाल का 12-4-79 को देहांत हो गया।

टी० बर्मा
अनुभाग अधिकारी
नूतने महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० 10/1/79-स्टाफ-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री मोहिन्दर सिंह बाधन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 30 मई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, लेह में तैनात करते हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1979

सं० 10/4/79-एम०-ती०-महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्री के० विलियम को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करने हैं और अगले आदेश होने तक उन्हें 7 मई, 1979 के पूर्वाह्न से दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर में तैनात करने हैं।

दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० 10/2/79-स्टाफ-III-महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्री पी० कृष्ण को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करने हैं और उन्हें 30 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, कृष्णांग में नियुक्त करते हैं।

श्री० बी० शर्मा
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

फिल्म प्रभाग

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-26, दिनांक 4 जुलाई, 1979

सं० 5/3/62-सिवन्दी-I-फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के स्थाई टैक्नीकल प्रमिस्टेंट और स्थानापन्न अधीक्षक श्री आर० बी० एल० मोरिया को 1 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी क्षमता में सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया।

सं० 5/19/65-सिवन्दी-I-फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग बंगलूर के स्थाई जुनियर बुकर और स्थानापन्न विक्रेता श्री के० सेलन को दिनांक 8-6-79 के अपराह्न से श्री व्ही० के० नायर स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक को बंगलूर को बदली होने के बजह फिल्म प्रभाग, त्रिवेन्द्रम में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई, 1979

सं० ए० 12025/5/78-औषध-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री संगीत कुमार मिन्हा को 14 जून, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, नार्थ जोन, गाजियाबाद के उप-औषधि नियंत्रक

(भारत) के कार्यालय में औषधि निरीक्षक के पद पर विधुद्वय अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

आर० बालमुद्राणिपन
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 18 मई, 1979

सं० पी० ए०/81(1)/78-प्रार०-4-निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित स्थाई फॉर्मनों को 1 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री महादेव शंवाजी जुदकर
2. श्री जार्ज लोबी

बी० आर० पाटगांवकर
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400 001, दिनांक 21 जून, 1979

सं० डी० पी० एम० /2/1(1)/77-प्रशा०/16638-इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 जुलाई, 1978 तथा 29 जुलाई, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के निम्नलिखित भंडारियों को, सहायक भंडार अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु, रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में उनके नाम के सामने प्रदर्शित समयों तक, इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं :-

- (1) श्री व्ही० वी० नायर-1-8-1978 से 5-2-1979 (पूर्वाह्न) तक।
- (2) श्री एम० आर० मैनोन-1-8-1978 से 31-1-1979 (पूर्वाह्न) तक।
- (3) श्री वजीर चन्द (मुख्य भंडारी)-1-10-1978 से 28-2-1979 (पूर्वाह्न) तक।

दिनांक 30 जून 1979

सं० डी० पी० एम०/23/8/77-संस्थापन/17037-निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित

सहायक लेखाकारों को, सहायक लेखा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में, रुपए 650-30-740-35-880-द० रों-40-960 के वेतन क्रम में, उनके नाम के सामने अंकित समयावधि तक, तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	से	तक
1.	श्री जे० जी० माठे	29-3-79 (पूर्वाह्न) से 2-5-79 तक तथा 21-5-79 (पूर्वाह्न) से 30-6-77 (अपराह्न) तक	
2.	श्री ए० एम० पारूलकर	9-5-79 (पूर्वाह्न) से 8-6-79 (अपराह्न) तक	
3.	श्री वीरेन्द्र कुमार	14-5-79 (पूर्वाह्न) से 13-6-79 (अपराह्न) तक।	

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई 400 001, दिनांक 30 जून, 1979

सं० डी० पी० एस० ए० 11013/45/76 संस्थापन: 17077—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, संपर्क अनुभाग, बम्बई से स्थानांतरित किए जाने पर, अस्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री चालाकुडी वैकटाचलम् गोपालकृष्णन् को, 7 जून, 1979 पूर्वाह्न से अभिम आदेशों तक, उसी रूप में क्रय एवं भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग में नियुक्त किया जाता है।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/7/79-प्रशा०—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक आंध्र प्रदेश-1 हैदराबाद के महालेखापाल के कार्यालय के लेखापरीक्षक श्री बी० बी० रामचन्द्र राव को परमाणु खनिज प्रभाग में 8 जून, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक प्रति नियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/7/76-प्रशा०—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, शिलांग स्थित असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम क्षेत्रों के महालेखापाल के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री प० क० दास को परमाणु खनिज प्रभाग में 1-1-1979 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 25 जून, 1979

सं० ए० 32023/1/77/आर०-10055—सर्वश्री आर० राजमणि और के० नारायणमूर्ति, जिनकी इस केन्द्र की तारीख 2 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के द्वारा 21 मई, 1979 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर पदोन्नति की गई थी, ने 20 जून, 1979 के अपराह्न में उन पदों का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 30 जून, 1979

शुद्धि-पत्र

इस केन्द्र की दिनांक 30 मई, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/7/79/आर०/18566 में "1 फरवरी, 1979" के स्थान पर "1 मार्च, 1979" पढ़ा जाए।

टी० एस० बी० अय्यर
प्रशासन अधिकारी
कृते परयोजना निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

दिनांक 21 जून, 1979

सं० ए० 32023/1/77/आर०-6672—इस केन्द्र की तारीख 2 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक और इस केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण कोटि आशुलिपिक श्री एम० कृष्णामूर्ति की रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि को 27 मई, 1979 के पूर्वाह्न से 2 जून, 1979 के अपराह्न तक के लिए बढ़ाते हैं।

टी० एस० बी० अय्यर
प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय : महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० ए० 32013/4/78-ई सी—इस विभाग की दिनांक 20-11-78 और 6-2-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/78-ई सी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित वरिष्ठ संचार अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के सामने की गई 2-166GI-79

अवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, जारी रखने की मजूरी दे दी है:—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ स्वीकृति की अवधि
1.	श्री आर० सी० चितकारा	क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई	29-3-79 से आगे 30-6-79 तक
2.	श्री एन० बी० माथुर	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता	26-4-79 से आगे 26-7-79 तक।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1979

विदेश संचार सेवा

सं० ए० 32014/1/78-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, जारी रखने की मजूरी दे दी है:—

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1979

सं० 1/37/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री जी० वेंकटेश्वर रेड्डी को 28-4-1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक वि० प्र० अ०, पुणे में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/482/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री टी० राममूर्ति को निम्नलिखित अवधियों के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं:—

(1) 1-11-78 से 23-12-78 तक।

(2) 30-1-79 से 27-2-79 तक।

दिनांक 7 जुलाई 1979

सं० 1/51/79-स्था०—वि० प्र० अ०, पुणे के अस्थायी सहायक अभियंता, श्री उदय कुमार सिन्हा को 16 मई, 1979 के अपराह्न में अपनी नियुक्ति छोड़ने की अनुमति दे दी गई।

सं० 1/84/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एस० तिके को (1) 26-12-1978 से 13-1-1979 तक और (2) 27-1-1979 से 17-2-1979 तक की अवधियों के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/455/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा देहरादून के तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को 5 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 13 अक्टूबर, 1978 तक तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
नूतने महानिदेशक

वी० वी० जोहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

क्र० सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
सर्वश्री			
1.	एच० एस० संधू	5-11-79	अमृतसर
2.	के० सी० क्षरिया	6-11-79	जबलपुर
3.	सी० बी० जोसफ	5-11-79	मदुरै
4.	एच० डी० घोमल	5-11-79	बेलगाम
5.	पी० राघवन	5-11-79	मदुरै
6.	पी० के० डे	5-11-79	बेगमपेट
7.	एम० आर० नायडू	5-11-79	त्रिवेन्द्रम
8.	हंस राज	30-11-79	क्षे० नि० का कार्यालय, नई दिल्ली
9.	एम० के० राय चौधरी	5-11-79	दम दम
10.	जे० आर० सोनी	5-11-79	वाराणसी
11.	पी० एन० धर	5-11-79	पालम
12.	एम० एम० शर्मा	30-6-79	जयपुर
13.	आर० डी० बाजपेयी	5-11-79	दम दम
14.	जे० एल० कपूर	5-11-79	भूज
15.	एम० जी० थोरट	5-11-79	नागपुर
16.	प्रेम कुमार	5-11-79	पालम
17.	वी० एस० आर० राव	5-11-79	यिजयवाड़ा
18.	एल० सी० चन्दवानी	5-11-79	बम्बई (जुहू)
19.	के० आर० पण्डुलै	5-11-79	त्रिवेन्द्रम

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून

देहरादून, दिनांक 8 जुलाई 1979

सं० 16/321/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री अनूप कुमार राय को दिनांक 25 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में महर्षि अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन

कुल मन्त्रि

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जुलाई, 1979.

सं० 7/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली के निरीक्षक (वरीय ग्रेड) श्री आर० के० कोहली को जो आजकल निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली, में प्रतिनियुक्त हैं,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली के दिनांक 11-6-79 के स्था० आदेश सं० 183/1979 द्वारा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप ख के पद पर पदोन्नति किए जाने पर, निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 16 जून 1979 (यू०) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप ख के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दया सागर

निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/9769—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय, पटना के स्थानापन्न सहायक समाहर्ता श्री के० पी० सिन्हा अपनी सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 30-6-76 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हुए।

डी० के० सरकार

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

नारकोटिक्स विभाग

खालियर, दिनांक 5 जून 1979

क्र० सं० 1--निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा जिला अफीम अधिकारी/अधीक्षक (कार्यपालक) समूह "ख" के ग्रेड में क्र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से स्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	जिस तारीख से स्थाई किए गए	जिस पद के प्रति स्थाई किए गए
सर्वश्री			
1.	ए० के० दाम, जिला अफीम अधिकारी, मंदसौर-II	1-10-73	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 7 मई, 1974 के पत्र फा० सं० 11012/7/73-ए डी-IV द्वारा स्वीकृत पदों में से एक पर।
2.	के० पी० एन० राय, अधीक्षक (कार्यालय) कोटा।	27-1-75	—तदेव—
3.	संतोष मिह, जिला अफीम अधिकारी, झालावाड़।	27-1-75	—तदेव—
4.	जे० मंगनजी, जिला अफीम अधिकारी, भवानीमंडी।	27-1-75	—तदेव—
5.	एस० पी० श्रोवास्तव, जिला अफीम अधिकारी, बाराबंकी-II	1-2-75	—तदेव—
6.	डी० वी० शर्मा, जिला अफीम अधिकारी, बदायूं।	9-2-76	—तदेव—
7.	बी० एल० भण्डारी, जिला अफीम अधिकारी, चित्तौड़गढ़-II	12-2-76	—तदेव—
8.	आर० पी० निर्मल, जिला अफीम अधिकारी, मंदसौर-I	12-2-76	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 5 अप्रैल, 1975 के पत्र फा० सं० 11012/5/74-ए डी-IV द्वारा स्वीकृत पद पर।

मनमोहन बघावन

नारकोटिक्स आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून, 1979

सं० क-19012/745/78-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री ए० के० गिरी, पर्यवेक्षक (विद्युत्) को मित्रिकम सरकार के अधीन सहायक इंजीनियर (विद्युत्) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-ब० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान म 1-10-78 से 30-9-79 तक एक वर्ष के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० गिरी ने, 30-9-78 (अपराह्न) से लोअर लग्यप हाईडन परियोजना वृत्त के कार्यालय में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

कार्यालय महानिदेशक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० 27-एस/जी(4)/70-ई सी-II—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अस्थाई अधीक्षक इंजीनियर श्री आर० बी० गुप्त के सेवा से निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री गुप्त 21-6-1979 (अपराह्न) से सेवा से निवृत्त हुए।

बी० आर० रत्न
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक (निर्माण)

पूति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय
पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

रायपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० पी० 3/1/78-19935 पी०—इस कार्यालय के अधिसूचना सं० पी० 3/1/78-3014 पी० दिनांक 4-9-78 के क्रम में श्री ए० गोपाल राव की, सहायक अभियंता (वर्ग बी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन के एफ० एम० यू०-7 (बी) जगदलपुर, जिला बस्तर (म० प्र०) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को 1-4-79 के पूर्वान्त से 30-6-79 तक की तीन महीने की और अवधि के लिए बढ़ाया जाता है।

2. श्री ए० गोपाल राव को, जो कि सहायक अभियंता के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न हुए, उनके मौलिक पदा-

पर्यवेक्षक पर 30-6-79 के अपराह्न से प्रत्यावर्तित किया जाता है और उन्हें एफ० एम० यू० 7 (बी) पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन जगदलपुर, जिला-बस्तर (म० प्र०) में नियुक्त किया जाता है।

आ० एस० गुप्ता
मुख्य यांत्रिक अभियंता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्वालिटी आईस क्रीम (जमसेदपुर) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
पटना, दिनांक 27 जून, 1979

सं० (1311) 78-79/1199—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर क्वालिटी आईस क्रीम (जमसेदपुर) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी
कम्पनी रजिस्ट्रार
बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कैस्लीक रेलवे सप्लाई कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड

श्रीनगर-160 008, दिनांक 30 जून, 1976

सं० पी० सी०/379/2569—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कैस्लीक रेलवे सप्लाई कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एम० सिंह
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
जम्मू एवं काश्मीर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालमुहगन चिट फंड (पांडिचेरी) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 7 जुलाई, 1979

सं० 93/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के

अवसान पर "बालमुखन चिट फंड (पॉडिचैरी) प्राईवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वी० वी० मत्वनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पॉडिचैरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० पी० निहालजी
एण्ड को० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 21 जून 1979

सं० एम० ओ० 722(2) 1304—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि एम० पी० निहालजी एण्ड को० प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गयी है।

डी० के० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं ज्योति सिल्क मिल्स
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1979

सं० 583/8400/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुभरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ज्योति सिल्क मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जा जाएगी।

श्री राम
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कार्यालय, आयकर आयुक्त
(संवर्ग नियंत्रण अधिकारी)

कानपुर, दिनांक 28 जून 1979

सं० 18—निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000
द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारियों
("ख" वर्ग) के रूप में स्थानापन्न कार्य करने के लिए तत्काल
से तथा अगले आदेशों के न जारी किए जाने तक नियुक्त
किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी
नियुक्तियां उपलब्ध रिक्त स्थानों की संख्या से अधिक हुई
हैं तो वे पदावनत किए जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर
उनकी सेवाएं उनमें से प्रत्येक के सामने दिए गए आयकर
आयुक्तों के अधिकार में दी जाती हैं:—

क्र० सं० कर्मचारी का नाम जिसके अधिकार में सेवाएं
दी गईं

1. श्री आर० पी० अग्रवाल, मेरठ आयकर आयुक्त, आगरा
2. श्री सुरेश चन्द्र (अनु० जाति०) आयकर आयुक्त, कानपुर
3. श्री पतिराखन लाल (अनु० जाति०) आयकर आयुक्त, आगरा

सं० 19—श्री सुरेश चन्द्र (अनु० जाति०), जिनकी
सेवाएं आयकर आयुक्त, कानपुर के अधिकार में दी जाती
हैं, एतद्वारा कर-वसूली अधिकारी, "ए", कानपुर के रूप
में पदस्थापित किए जाते हैं।

सं० 20—एतद्वारा श्री आर० आर० हेमराजानी,
कर-वसूली अधिकारी, "ए", कानपुर स्थानान्तरित किए जाते
हैं तथा उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त, मेरठ के अधिकार
में दी जाती हैं।

बी० गुप्त
आयकर आयुक्त
संवर्ग नियंत्रण अधिकारी,
कानपुर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1922—यतः मुझे, बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर कैन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेलू राम जैन पुत्र धना राम जैन 34 हकीकत रोड़, जालन्धर कैन्ट। (अन्तरक)

2. श्री जसवंत सिंह संधू पुत्र मुखन सिंह कोठी नं० 35 हकीकत रोड़, जालन्धर कैन्ट (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिनमें अधि-भोग में संगति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5672 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-7-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1923—यत मुझे, वी० एम० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिष्ठा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किमा प्राप्ति या किमा घन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, छुपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संमुख सिंह पुत्र राम सिंह सोडल रोड, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णावती पत्नी चमन लाल मकान नं० 177 सोडल रोड, जालन्धर। (अन्तरिणी)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5965 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1924—यतः मुझे, बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है)।—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कियी प्राप या किसी धन या पन्थ आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अमोख सिंह अडवोकेट बस्ती दानश मेवो, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री महावीर सिंह मिन्हाम पुत्र जरनैल सिंह 168-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विनियम नं० 6499 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1925--यत मुझे, बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

3-166GI/79

1. श्री कुंदन लाल चेतन सिंह पुत्र रूढ़ सिंह गांव संगवाल। (अन्तरक)।

2. महिन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र जगत सिंह 32 ज्ञान नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)।

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विख नं० 5715 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1926—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णलाल, खरेती लाल, रमेश चन्द्र, और जैमल
किशोर पुत्र सेत राम 4 शिव नगर जलन्धर। [(अन्तरक)
2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री अवतार सिंह C/o
मै० एक्स भाशीन मेलज प्रीत नगर सोदल रोड जलन्धर
(अन्तरिती)]

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिल नं० 5596 में नवम्बर 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र, जलन्धर

तारीख : 7-7-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/51—यतः मुझे
ए० के० धर, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल
245.5 वर्ग मीटर है, दयानगर, गली नं० 3, दूनीचन्द
रोड, अमृतसर में है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल पुत्र कुन्दन लाल कलकत्ता द्वारा
श्री तारा चन्द पुत्र हरी चन्द, 76 कैनेडी रेवेन्यू अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री मीरी मल पुत्र गहनामल वा हंस राज पुत्र
मीरी मल, कटरा मोती राम, गली बाग वाली, अमृतसर।
(अन्तरिती)।

3. जैसा कि नम्बर 2 में है यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट भूमि का जिसका क्षेत्र 245.5 वर्ग मीटर
है तथा जो दयानन्द नगर दूनीचन्द सड़क पर स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता नं० 2531 दि० 10-10-78 रजिस्ट्री
कर्ता अमृतसर शहर में स्थित है।

ए० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 24-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/50—यतः मुझे,
एम० के० धर, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है .

और जिसकी सं० एक मकान नं० 1860 के कटरा शेर सिंह में
अमृतसर में स्थित है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य दायित्वों को
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शीला आनन्द व शीला वती विधवा श्री राम
आनन्द, कटरा शेर सिंह, मकान नं० 1860, अमृतसर।
(अन्तरक)।

2. श्रीमती बीना महाजन धर्मपति श्री सतपाल महाजन
कटरा शेरसिंह, मकान नं० 1860, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 है और यदि कोई किराए
दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त वांछित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जिसका 1/2 भाग नं० 1860
जो कटरा शेरसिंह, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री
नं० 2633 दिनांक 20-10-78 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर
शहर।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24-5-1979

मोहर :

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/49—अतः मुझे, एम० के० धर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एक मंजला घर जो कि रेलवे कालोनी नं० 4, कोट खालमा अमृतसर में स्थित है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राह या किसी घन या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी मलकियत सिंह, मकान नं० 236 जो कि नं० 2 पीछे में हवाला है उस पर रेलवे कालोनी नं० 4, कोट खालमा, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह गिल पुत्र पंजाब इन्स्टीट्यूट आफ टेक्मेटाईल टेक्नोलोजी डाकखाना, आर० एम० एम०, अमृतसर। (अन्तरितियों)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है और यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति, इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला घर नं० 236, भूमि के टुकड़े जिसका क्षेत्रफल 333/1 वर्ग मीटर जो रेलवे कालोनी नं० 4 के विपरीत कोट खालमा, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री में नं० 2055/1 दिनांक 12-10-78, रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 24-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मई- 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/78-79/46—यतः मुझे,
एम० के० घर आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिला कोठी अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर शहर में है में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम- 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्यः—

1. श्री मनोहर सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह गली कन्धीरी
नमक मण्डी अमृतसर (मान नं० 1062/89) (अन्तरक)

2. श्री० गुरु रामदास आईएम फैक्ट्री 62 मन्त नगर
अमृतसर। (अन्तरिती)।

3. यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति उस सम्पत्ति में रुची रखता हो
तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रकबा 225.76 रुक्वायर मीटर से एक मंजिला कोठी
प्लॉट नं० 143 खसरा नं० 249 खाना खसरा नं० 7675/
16-25 म्यूनिसिपल कमेटी चाटीबेन्ट कोट मोहनसिंह,
अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 2450 तारीख 5-10-78 और
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 19-5-79
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/78-79/47—यतः मुझे,
एम० के० धर, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और ज़िमकी सं० प्लॉट ज़िमका रकबा 106 स्क्वायर
मीटर है चील मण्डी, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर है। मैं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र अर्जन सिंह रे०/आफ गांव
पिंड नावत तहसील और जि० अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी तरलोचन सिंह बाजार
चील मण्डी कटरा मान सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित 166 स्क्वायर मीटर चील मण्डी, कटरा
मान सिंह किता नं० 670-26-71, 2440 और 2087/
1-33 रजिस्ट्रीकृत नं० 2632 तारीख 20-10-78 और
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० के० धर, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-5-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/78-79/48—यतः मुझे,
एम० के० धर, आई० आर० एम०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका रकबा 106 स्वर्वायर मीटर
है बाजार कील मण्डी, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या धन प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण सिंह पुत्र अर्जन सिंह गांव नवान पीपल
तहसील और जि० अमृतसर। (अन्तरक)

2. मै० खुराना टैम्बर स्टोर कील मण्डी अमृतसर।
(अन्तरितों)

3. यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित 106 स्वर्वायर मीटर बाजार, कील मण्डी
अमृतसर कील नं० 2670-71, 2443/1-28 और 2087/
1-22 रजिस्ट्रीकृत नं० 2878/1 तारीख 8-11-78
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० के० धर, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 19-5-79

मोहर:

प्रकाश आई टी० एन० एम०— -- --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 691/1/10, पूना सतारा रोड पूना-9

पूना, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ईगतपुरी/फेब्रु 79 449—यतः मुझे, श्रीमती, पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० क्र० 563ए, 563 बी है तथा जो ईगतपुरी डी० नासिक में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिभारों के कार्यालय एम० आर० ईगतपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बरतन-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उभार लाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आसि यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

4-166G1/79

1. श्री के.बी.बाद पेशटन वांडा जे० जे० बिल्डिंग फर्स्ट फ्लोर 277, तारखेव रोड, बाम्बे 400 0071 (अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकांत आनन्दराव भोजने विजय निवास, गोब्रजे रोड, ठाना 2. श्री वसंत आर० प्रधान शिवाजी पथ ठाना। 3. श्रीमती विद्या जी देगपंडे; 11 विनाविना शिवाजी पथ ठाना। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विपक्ष किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षर :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती सी० टी० एम० क्र० 563 ए० क्षेत्रफल—16091-वर्ग मीटर्स और सी० टी० एम० क्र० 563 बी० क्षेत्रफल—1513-66 वर्ग मीटर्स और बिल्डिंग हाउस नं० 78, ईगतपुरी ठाना नासिक।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० दिनांक 28-2-79 को सब रजिस्ट्रार ईगतपुरी के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 13-6-1979

मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

691/1/10, पूना सतारा रोड पूना-9

पूना-9, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० हवेली-II/दिसम्बर
78/451--यतः मृ० श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० क्र० 768, है तथा जो सदाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-12-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वारन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिया धन या दाय्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. दि पूना म्यूचुसिपल कारपोरेशन सर्वोट्स को-ऑपरेटिव बैंक लि० चेयरमैन, के० पी० उनवने 768, सदाशिव पेठ, पूना-30। (अन्तरक)।

2. श्री श्रीपाद श्रीधरलाल सहकारी गृह सञ्चालन संस्था 768, सदाशिव पेठ, पूना-30। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती:--सी० टी० एम० क्रम 768, सदाशिव पेठ, पूना-30 क्षेत्रफल --373.10 वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2167, दिनांक 14-12-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-6-1979

मोहर:

प्राकृत धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना-9, दिनांक 18 जून, 1979

निर्देश सं० सी० एम०/एस० आर० हवेली-II/दिस०
78/452—यतः मृ० श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे क्र० 57/2 सब प्लॉट क्र० 3, फायनल
प्लॉट क्र० 86/3 है तथा जो एरंडवणा, पूना में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ०
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का उचित प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय राशियाँ प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कियी नहीं कियी गयी है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० बी० केलकर, एम० टी० जी० ब्लाक
डी-50, ब्लॉक क्र० 469 गांधीनगर, बांद्रा (ईस्ट)
मुंबई क्र० 400051।

(2) श्री डी० बी० केलकर 'मधुमालिनी' 13 लेन,
प्रभात रोड़, पुना-411004।

3. श्री श्री० बी० केलकर 4 ए, सुदेश कालोनी
एस० श्री० रोड़, विले पार्ले, मुंबई-400071।

4. श्रीमती पद्मा आर० केलकर, काशी निकेतन
चेम्बूर, मुंबई-400071।

5. श्री वासुदेव आर० केलकर, 6, मास्टर विद्याधर
आर केलकर (मायनॉर) काशी निकेतन चेम्बूर गोंडवी
रोड़, चेम्बूर गली, एरंडवणा, पूना-411004। (अन्तरक)

2. कांचन गौरी को० आपरेटिड्स हौसिंग सोसायटी,
86/3, कांचन गली एरंडवणा, पूना-411004। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और ऊपरका मकान सर्वे क्र० 57/2, सब प्लॉट
क्र० 3, फायनल प्लॉट क्र० 86/3, कांचन गली, एरंडवणा
पूना-4।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2056, दिनांक
5-12-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में
लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 18-6-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-9, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० नामिक/विम०
78/450—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रयोजन नभन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विमला उबिन बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्र० 58, है तथा जो नामिक
इण्डस्ट्रियल एरिया नामिक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधि-
कारों के कार्यालय एस० आर० मुंबई में, रजिस्ट्रार/करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तावित को नई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायरेव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० किलेस्किर ट्रेडर्स लिमिटेड नामिक गैरीड-
4221011 (अन्तरक)

2. मै० क्राम्पटन ग्रोव्स लिमिटेड, कांजूर भांडूप, मुंबई।
(अन्तरितों)।

आ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रयोजन के लिए
नियमावली करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की प्राप्ति या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
प्राप्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण --इसमें प्रयोजन गम्भीर और त्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है त्यों पर होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी: प्लॉट क्र० 58, नामिक इण्डस्ट्रियल एरिया,
सतपुर तालुका।

क्षेत्रफल:—12936, वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रार/कृत विलेख क्र० 334, दिनांक
13-12-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में
लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-6-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 82बी/ए/वि०—अतः मूख्य अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 64/बी/3 है तथा जो अलोपी बाग, इलाहाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम के कार्यालय
इलाहाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शांति देवी पाण्डे (अन्तरक)

2. श्री बृज किशोर अग्रवाल व सूरजा देवी अग्रवाल
(अन्तरिती)3. श्रीमती शांति देवी पाण्डेय (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

दृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 64-बी/3 अलोपी बाग इलाहाबाद
मय पट्टा हकूक प्लॉट नम्बरी 173 अलोपी बाग आवास योजना
इलाहाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म
37-जी नं० 5072 में तथा सेलडीड वर्णित है। तथा जो
सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद में दिनांक 21-11-78 को दर्ज
है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 4-4-1979
मोहर :

प्राकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० आर०-133/अर्जन 79—अतः मुझे, अमर
सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 72 का आधा भाग है तथा जो मेजरगंज
मुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अफ़ीस के कार्यालय
मुल्तानपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20-11-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद अलाम (अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को जामिन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्ष्य:—इन्हें यथा शर्तों और पदों का, जो उक्त
प्रतिनिध के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोज्य होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग मकान नं० 72 जो कि मोहल्ला मेजरगंज
जिला मुल्तानपुर में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण
जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी में वर्णित है तथा जो सब
रजिस्ट्रार जिला मुल्तानपुर के कार्यालय में दिनांक
20-11-78 को दर्ज है।

अमरसिंह बिसेन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 1-5-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एम० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० ओ०-13/अर्जन 79—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 72 का अध्या भाग है तथा जो मोहल्ला
मेजरगंज मुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की शब्द 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्र. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद अलीम (अन्तरक)

2. श्री शोभ प्रकाश (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अध्या भाग मकान नं० 72 जो कि मोहल्ला मेजरगंज
जिला मुल्तानपुर में स्थित है व सम्पत्ति का वह सभी
विवरण जो कि मैल डीड तथा फार्म नं० 37-जी० सं०
3120 में वर्णित है तथा जो सब रजिस्ट्रार जिला मुल्तानपुर
के कार्यालय में दिनांक 20-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-5-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 मई, 1979

निदेश सं० सी० आर०-62/22023/78-79/एम्बि०/
बी०—यतः मुझे एच० है तिम्मय्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,और जिसकी सं० 13 साइट आफिसर्स है, तथा जो साप-
परस कालोनी, हुडेगनटे जीवशाहल्ली, बेंगलूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 4-10-1978 दस्तावेज सं०
1768/78-79को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एनी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः धाय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—1. श्री भारत चन्दर पुत्र के० बी० बान्नेशा
पाल अगना पना "शान्ती नन्दन" रेड फील्डम कोयमबटूर और नया
पना है वेल्ली एस्टेट, एमारानड पी० ओ० नीलमिनीन रिप्रेजेंटेटिव
कर रहे हैं श्री अकूल सुन्दर राज। (अन्तरक)2. मिसेज पोन्नम्मा ज्ञान, पतिन लेट कैप्टन के०
सी० ज्ञान सं० 57, चालरम कैम्पबेल रोड, कोकम टाउन
बेंगलूर-560005। (अन्तरिणी)को रद्द पुनर्ग जागे हरद पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ :

उक्त पत्राति अर्जन के सम्बन्ध में होई जो प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरों के प्राप्त
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वो प्रबं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1768/78-79 ता० 4-10-1978)

खाली जगह जिसकी सं० 13 तथा जो सापरस आफिसर्स
कालोनी बेंगलूर था पहले हुड्डेगनटे जीवशाहल्ली विलेज
के नाम से था (डिबीजन सं० 49)

चकबंदी: पूरब—साइट नं० 1

प० " " 35

उ० " " 33 और

द०—रोड।

एच० तिम्मय्या

मक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

तारीख: 15-5-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 मई, 1979

निर्देश सं० सी० आर०-62/22279/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यतः मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 77/80 पुराना नया सं० 23 है, तथा जो रतन विलास रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय बसावनगुडी बेंगलूर-4 में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1978 को (दस्तावेज सं० 2482/78-79)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्तरित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उभरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमी प्राय या किमी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-166G1/79

1. सर्वश्री (1) एन० मेलवाराज सुपुत्र श्री पी० एस० एन० नायडू, (2) श्रीमती एस० ललिथा पत्नी एन० मेलवाराज, नं० 523, रतन विलास रोड, बंगलूर सिटी।

(2) श्री ए० एन० पारथामाराथी सुपुत्र के० आनंता-नागराज, 62/95, मरवेयर स्ट्रीट, बसावनगुडी, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2382/78-79 ता० 26-10-78)
घर सम्पत्ति सं० 77/80 पुराना और नया सं० 23 है,
रतनविलास रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4।

एच० तिम्मय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 14-5-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मई, 1979

निर्देश सं० सी० आर०-62/22326/78-79/अर्जन/बी—
यतः मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० साइट 503/48 है, तथा जो 40वां
क्रास, 8वां ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर, बंगलूर
(दस्तावेज सं० 2133/78-79) में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-10-1978
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम • के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री 1. डी० एम० नागराज सुपुत्र लेट देवराता
श्रीरामय्या, सेट्टी 2. डी० एन० प्रादीप कुमार सुपुत्र
डी० एम० नागराज, 3. डी० एन० प्रावीन
कुमार, माइनर जो उनके पिता नागराज रिप्रेजेंट
कर रहे हैं सब का पता है सं० 163,
37वां क्रास, 7वां मेन रोड, ब्लॉक, जया-
नगर, बंगलूर-41।

(अन्तरक)

(2) श्री बेलागोडा ट्रस्ट, सं० 313, 40वां क्रास,
8वां ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-11 रिप्रेजेंट कर
रहे हैं उनके मैनेजिंग ट्रस्टी श्री बेलागोडा कृष्णय्या
सेट्टी सं० 275/1, 9/2, ए० मेन रोड, II
ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2133/78-79 तारीख 24-10-78)
साइट सं० 503/48, 40वां क्रास, 8वां ब्लॉक, जयानगर
बंगलूर-11।

चकबन्दी :—

उत्तर—रोड।

दक्षिण—साइट सं० 524 और 513।

पूरब—साइट सं० 502 और

पश्चिम—साइट सं० 504।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22741/78-79/एच०/वी—यतः मुझे एच० निम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 144/1-बी (144/3) है, तथा जो मैसूर रोड, बंगलूर (डिवीजन 24) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रशिक्षारी के कार्यालय, ब्रमावतगुडी, बेंगलूर (दस्तावेज सं० 2353/78-79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

(1) श्रीमती कमला मेशाद्री, पत्नी श्री के० आर० मेशाद्री, सं० 71, पछीयणा सं० हासटल रोड, छेटपट, मद्रास-31। (अन्तरक)
रेप्रसेन्ट कर रहे हैं श्री एन० केशावन।

(2) श्री पी० विश्वनाथा पण्टी सुपुत्र लेट पी० एन० पण्टी, प्रोप० मैसूर कामर्शियल कारपोरेशन सं० 23, जे० सी० रोड, बेंगलूर-2। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2353/78-79 तारीख 16-10-78]
कारनर खाली जगह सं० 144/1-बी (144/3)
मैसूर रोड, बेंगलूर (डिवीजन-24) चकबन्दी—
पूर्व—सम्पत्ति सं० 144/2 जयाराज की
पश्चिम—सम्पत्ति सं० 144/2 भारत पेट्रोलियम कार-
पोरेशन की।
उत्तर—मैसूर रोड, और
दक्षिण—पहली मैन रोड, चामराजपेट।

एच० निम्मय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 14-5-1979
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1979

निर्देश सं० सी० आर०-62/22454/एक्यू/79-80/बी—
यतः मुझे एच० तिममय्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है
और जिसकी सं० 107/1 (खाली जगह) है, तथा जो VIII
मेन व मनेषवरम बेंगलूर-560003 में स्थित है (और
इस में उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बेंगलूर
दस्तावेज सं० 3307/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 2-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गृह्य है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
आने करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में,
नैः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) मिम० एन० उषा देवी, सुपुत्री डाक्टर एस० आर०
नरसिम्हन, 107, VIII मेन रोड, मनेषवरम,
बेंगलूर-35

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नालिनी आर० कामत, पत्नी एस० आर०
कामत, सं० 51, VIII क्लास, 7वां मेन, मनेष-
वरम, बेंगलूर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्यपि स्थावर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3307/78-79 तारीख 2-11-78)
खाली जगह जिसकी सं० 107/1 तथा जो मेन
रोड, मनेषवरम, बेंगलूर-560003 में है।

एच० तिममय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 16-5-1979
सोहर :

रूप प्राई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 मई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 72/22526/79-80/एक्यू०

यतः मुझे एच० तिममय्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जमकी सं० 294, I स्टेज है, तथा जो बिलमंगला
ले आउट, इंदिरानगर बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय शिवजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
20-10-1978

को पूर्वाका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई 16वीं अप्रैल का बाबा. उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसके अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमा पाया या किमा घन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वजिदा महबूब, पत्नी लेट शेख महबूब
सं० 13-8-932/1, मालकपेट, Repted. by
P.A.H. श्री मुस्ताज अहमद तहेर, सुपुत्र गुलाम
मोहम्मद तहेर, सं० 29 सर्वेटाइन स्ट्रीट, रिच-
मंड टाउन, बंगलूर 25।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजम्मा, पत्नी श्री एन० नारायण रेड्डी,
सं० 481, बिलमंगला ले आउट, I स्टेज, इंदिरा
नगर, बंगलूर 38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होना हो, तत्पश्चात् पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताश्री के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ पाए जा सकेंगे तथा दृष्टांत में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1932/78-79 दिनांक 20-10-785)
माला खाली जगह का नं० 294, I स्टेज, बिलमंगला
ले-आउट, इंदिरानगर, बंगलूर।

चकबन्दी:

पूर्व--रोड।

पश्चिम--खाली जगह का नं० 288 और 289।

उत्तर--" " " " 295।

दक्षिण--" " " " 293।

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 18-5-1979।

माहुर:

प्रकाशित टी. एन. एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कार्यालय बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० सी० आर०-62/22575/79-80/अर्जुन/
(बी)—यतः मूख्य गृह तन्मय्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 720, विन्मंगला है, तथा जो ले-औट,
इंदिरानगर, 1 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-10-1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

**मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः:—**

(1) श्री बी० के० सुब्रमन्यम् सुपुत्र स्वर्गीय बी० टी०
फेंजन्ना, सं० 32, 16वीं मेन रोड, IV 'टी'
ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बालंबा सुपुत्र स्वर्गीय डा० एम० श्रीकंठ
शास्त्री, सं० 151/1, V मेन रोड, चामराज-
पेट, बेंगलूर-560018।
(अन्तरिती)

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।**

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2000/78-79 तारीख 26-10-78)
सारा बाली जगह का नं० 720, विन्मंगला ले-औट,
इंदिरानगर, 1 स्टेज, बेंगलूर-38।

चकबन्दी:—

पूर्व—बाली जगह का नं० 721,
पश्चिम—बाली जगह का नं० 719,
दक्षिण—बाली जगह का नं० 711 और
उत्तर—रोड।

गृह तन्मय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 18-5-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1979

निर्देश सं० सी० आर०/22340/79 80/अर्जन/बी—

यतः मुझे एच० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 26 विवियानी रोड है तथा जो रिचार्ड्स टाउन, बेंगलूर (ड० सं० 48) में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीगांधीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री 1. थिलफर्ड डि'सौजा, एडवोकेट, सं० 37, कब्बन रोड, बेंगलूर, 2. टाम० डी० अग-योडर, विवियानी रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1) पी० जी० चन्दर 2. श्रीमती ससन चन्दर, सं० 152, पालम रोड, फरेजर टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 20006/78-79 तारीख 27-10-78) धर सम्पत्ति सं० 26, तथा जो विवियानी रोड, बेंगलूर में है और जिसकी चकबन्दी है :—

पूरब—प्राइवेट सम्पत्ति।

पश्चिम—जान आरमस्टांग रोड

उत्तर—कनरवेन्सी रोड

दक्षिण—विवियानी रोड

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर।

तारीख : 21-5-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० पी० आर०-658/ए० सी० क्यू०-23-1327/19-8/
 78-79—अतः मुझे एम० सी० पारीख
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिनकी सं० नोंध सं० 1068 वार्ड नं० 11 है तथा
 जो लिमडी कुर्डी, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें
 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978
 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
 किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्रीमती कुमुदबेन ईश्वरलाल देसाई ^{पुर्दावा}
 आश्रम, तिगिया वार्ड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल नगरदाम गांधी, हरीशकुमार
 नगरदाम मोदी, मोटामिया, मांगोल, जिला सूरत
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 10 नोंध नं० 10
 लिमडी कुर्डी, कनैया लाल देसाई रोड, गोपीपुरा, सूरत में
 स्थित है तथा जिनका कुल माप 51.39 वर्ग मीटर है तथा
 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा रजिस्ट्री किया गया
 है।

एम० सी० पारीख
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-3-1979

मोहर :

प्रकट आई० डी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश नं० पी० आर 659/एसीक्यू० 23-1328/19-8/78-79—यतः मुझे एम० सी० पारीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 318-319, 346-347 है तथा जो वार्ड नं० 5 बरानपुरा भागोल, न्यू वेजिटेबल मार्केट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के उद्देश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-166G1/79

1. (1) श्रीमती, मनसुखलाल हीरालाल की पत्नी, बाड़ी फालिया, चकावाला गेरी सूरत। (अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्निलाल रणछोडलाल लपसीवाला लल्न भाई रणछोडभाई लपसीवाला, नानपुरा, फालिया मोहली, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रवेश के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवेश के संबंध में कोई भी पात्रण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो नोंध सं० 318, 319, 346 और 347 वार्ड नं० 5 बरानपुरा भागोल, न्यू वेजिटेबल मार्केट, सूरत में स्थित हैं तथा जिसका कुल माप लगभग 64 वर्ग गज है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा रजिस्ट्रर किया गया है।

एम० सी० पारीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1979

निदेश नं० पी० आर० 661/एसीक्यू 23-1330/7-4/
78-79—अतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० 607 वाई नं० 6 मिटी सं० नं० टीका नं० 61 है तथा जो जैन सोमायटी, स्टेशन रोड, नवसारी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वनमालीभाई जगजीवनदास पटेल, जैन सोमा-यटी, नवसारी। (अन्तरक)

(2) श्री औरवभाई केशवभाई पटेल, रे० चिखली (डुगर), तहमील कामरोज, जिला नवसारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो जैन सोमायटी स्टेशन रोड, नवसारी घर नं० 607 वाई नं० 6 मिटी सं० टीका नं० 61 में स्थित है जिसका कुल माप 74 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी द्वारा नवम्बर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विवरण में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-3-1979
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1962 (807)/

1-6-6/78-79—अतः मुझे एम० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिनकी सं० 299-4-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा दो
मजिल का मकान है तथा जो कोलेजवाड़ी, स्ट्रीट नं० 2/4
डा० राधाकृष्ण मेहता रोड के पास, राजकोट में स्थित है
और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
9-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अवश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री यशवंत नाराचंद शाह तथा अन्य, 195,
भारती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लाभशंकर ब्रजनाल मेहता तथा अन्य 2/4
कोलेजवाड़ी, मेहता डा० राधाकृष्ण रोड के पास
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मजिल का मकान जो 299-4-0 वर्ग गज जमीन पर,
कोलेजवाड़ी, स्ट्रीट नं० 2/4, डा० राधाकृष्ण मेहता रोड के
पास राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्णवर्णन रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज
सं० 4514/9-11-1978 में दिया गया है।

एम० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-4-1979

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० पी० आर०-663/ए० सी० क्यू०-23-1160/
19-8/78-79—अतः मुझे एम० सी० पारीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नोड नं० 65, 77 बाई नं० 9 है तथा
जो कोट स्पेशल रोड, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय का बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री 1. गटुभाई रंगीलदास (एच० यू० एफ०)
महफन जितेंद्र गटुभाई शाह (कर्ता) ई-7, भिका
नगर, बम्बई-4। 2. इन्द्रा बेन, गटुभाई रंगील

दास की पुत्री, एम०-48, भिका नगर, बम्बई-4,
3. इन्द्रा बेन, गटुभाई रंगीलदास की विधवा,
ई-7, भिका नगर, बम्बई-4, 4. सरोज बेन गटुभाई
रंगीलदास की पुत्री, स्मृति फिरोजशाह मेहता
रोड, मांताकूज, वेस्ट, बम्बई-54, 5. दिनेश
गटुभाई शाह, ई-7, भिका नगर, बम्बई-4,
6. प्रदीप गटुभाई शाह, ई-7, भिका नगर,
बम्बई-4, 7. उषोत्सना, गटुभाई रंगीलदास की
पुत्री, ई-7, भिका नगर, बम्बई-4। 8. नरेश
गटुभाई, ई-7, भिका नगर, बम्बई-4, 8. डोलीबेन
गटुभाई रंगीलदास की पुत्री, प्रभुता,, कार्टर रोड,
बान्द्रा-वेस्ट, बम्बई-50।

(अन्तरक)

(2) डा० सुरेशचन्द्र जे० उपाध्याय, मार्फत कुल मुख-
नार, डा० रमेश चन्द्र जे० उपाध्याय, अमलीरान,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका कुल माप 101-17-17 वर्ग
मीटर है तथा जो बाई नं० 9 नोड नं० 65, 77 कोट
मफिन रोड, सूरत में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सूरत द्वारा नवम्बर 1978 में रजिस्टर किया गया है

एम० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई, 1979

निर्देश सं० पी० आर०-673/ए सी क्यू-23-1230/
6-1/78-79—अतः, मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, इन्द्रा नगर सोसायटी, फर्स्ट ब्लोर, सर्वे नं० 589 है तथा जो रेलवे स्टेशन के पीछे, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिनेश चन्द्र जेठालाल शाह, इन्द्रानगर, फारमजी रोड, बड़ौदा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रफुला बेन, इन्दुकुमार पटेल की धर्म-पत्नी, युनाइटेड कालोनी, मामा रोड, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सर्वे नं० 589 इन्द्रानगर सोसायटी प्लॉट नं० 5 (पहली मंजिल) बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा द्वारा 13-11-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 5970 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री दिनेश चन्द्र जेठालाल शाह, इन्द्रानगर, फारमजी रोड, बड़ौदा। (अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० एन० पटेल, 5, इन्द्रानगर सोमायटी, गैस आफिस के पीछे, बड़ौदा।

(अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० पी० आर०-674/ए० सी० क्यू०-231229-ए/6-1/78-79—अतः मुझे, एस० पी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

श्रीर जमकी सं० 5, इन्द्रानगर सोमायटी (ग्राउंड फ्लोर) सर्वे नं० 589 है तथा जो रेलवे स्टेशन के पीछे, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर हमने उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-11-1978

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जमीन और भूकान जो सर्वे नं० 589 इन्द्रानगर सोमायटी प्लॉट नं० 5 (ग्राउंड फ्लोर) बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा द्वारा 13-11-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्री विलेख नं० 5269 में प्रदर्शित है।

एस० पी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 5-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० ए. सी. क्यू-I-23-1-2041 (811)/10-1/78-79—अतः, मुझे, एस० सी० परीख, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 211 से 214 तथा 215/1 है तथा जो सड़क सेक्शन रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स रेनिबो प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री अमृतलाल पेशराज शाह के मारफत, 40, दिग्विजय प्लाट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स आणा रबर इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री मोहनलाल पुंजाभाई शाह के मारफत बी/2 एम० पी० शाह उद्योगनगर, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा महान, जिसका क्षेत्रफल 13500 वर्ग फुट है तथा सर्वे नं० 211 से 214 तथा 215/1 है जो बी-2 एम० पी० शाह उद्योगनगर, सड़क सेक्शन रोड, जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रेशन नं० 2168 तारीख 3-11-78 में रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 2-5-1979
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1979

निर्देश सं० ए सी क्यू-23-I-2180 (814)/
16-6/79-80—अतः, मुझे, एम० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 330-221 प्लॉट नं० 15-994-
6-0 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन है तथा जो डेवररोड
(पूर्व) की तरफ, प्रेमजी गोया विस्तार, राजकोट में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैमर्स ईसाको इंजीनियरिंग कं०, भागीदार (1)
श्रीमती ईश्वरी बेन एम० रीन्दानी तथा (2)
श्री कानीलाल देवजाभाई के मारफत दोनों
मेहता पेट्रोल पम्प, डेवररोड, राजकोट।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स ब्यू नाईल प्रीफाईल, भागीदार श्री रजनी
कान्त चतुर्भुज मोदी तथा अन्य के मारफत
'रजनी' विल्डिंग, भुपेन्द्र रोड, राजकोट।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंध के संबंध में कोई भी धात्री :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
यथास्थ होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्तावरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रुती जमीन जिसका क्षेत्रफल 994-6-0 वर्ग गज
तथा सर्वे नं० 330-331 पैकी प्लॉट नं० 15 जो डेवर
रोड (पूर्व) प्रेमजी गोया विस्तार में स्थित है तथा विक्री
दस्तावेज नं० 4684-23-11-78 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी।
राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत है तथा जिसमें प्राप्ति का पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1979

सं० ए सी क्यू-23-I-2215 (8177) 1-1/79-80—

अतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 31, एस० नं०
1461 है तथा जो न्यू माधवपुरा, अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—
7-166GI/79

(1) श्री नन्दकिशोर गणेशीलाल, 3, कृष्ण सोसायटी,
लो गार्डन के पास, एलीसबीज, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल जमनादास शाह, 1354, नागर
भगत की पोल, रायपुर, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

130½ वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन तथा उस पर
खड़ा मकान जिसका सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 31, एस०
नं० 1461 जो न्यू माधवपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा
रजिस्ट्रेशन नं० 10555 से तारीख 28-11-78 को रजिस्ट्री-
कृत बिक्री दस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन किया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1961 (820)/16-6/78-79—अतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का खुला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 548-3-0 वर्ग गज है तथा जो द्वारकाधीश फ्लोर मिल के पास, टागोर रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधिका में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ललीतराय नवलचंद मरेना तथा अरुणा 7, 7, प्रहलाद प्लाट, मंछाकुज, राजकोट।
(अन्तरक)

(2) श्री हीमलाल गणछोड़दास चोलेरा पटेल स्ट्रीट, जलाराम भुवन, जसदान, जिला राजकोट।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 548-3-0 वर्ग गज है जो द्वारकाधीश फ्लोर मिल के पास टागोर रोड पर, टागोर रोड के पास राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4635/18-11-78 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किया गया है याने उसमें प्रापटी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० पी० आर०-683/ए० सी० न्यू० 23-1260/19-2/78-79—अतः, मुझे, एस० सी० परीख, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 679, कुल माप 87.5 वर्ग मीटर है तथा जो सेक्टर नं० 22, गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ - धास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० मोदी शंभुलाल सांकल चन्द भागीदार : शंभुलाल सांकल चन्द तथा अन्य पेशापुर, तहसील गांधी-नगर।

(अन्तरक)

(2) ठक्कर रमणलाल लालाजीभाई सेक्टर नं० 28, ब्लॉक नं० 106/1 गांधी नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जो प्लॉट नं० 679 सेक्टर नं० 22, गांधीनगर में स्थित है जैसा कि 9-10-1978 को रजिस्टर किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 1012 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ए (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० पी० आर०-684/ए० सी० क्यू०-23-1233/
 19-5/78-79—अतः, मुझे, एम० सी० परीख,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० सर्वे नं० 647 और 661 कुल माप
 13 एकड़ 9 गुंथा है तथा जो तरमाडी कोसंबा, सुरत जिला
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 मांग्रोल (सुरत जिला) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों)
 और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
 में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) लालेजार जाममजी केलावाला तथा बाजार,
 कोसंबा, जिला सुरत। (अन्तरक)

(2) गुजरात ग्लाम प्रा० लिमिटेड डायरेक्टर कर्तुभाई
 नटवरलाल परीख तथा अन्य तरमाडी कोसंबा,
 सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल माप 13 एकड़ 9 गुंथा है
 तथा जो सं० नं० 647 तथा 661 तरमाडी-कोसंबा, सुरत
 जिले में स्थित है जैसा कि 27-10-1978 को रजिस्टर
 किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 2855 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1979

निर्देश सं०] ए० सी० ब्यू०-23-L-1960 (821)/

16-6/78-79—अतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 401 पैकी प्लॉट नं० 7, चामुन्डा फाउन्ड्री, 1422-2-0 वर्ग गज जमीन पर, जमीन उमाकान्त उद्योगनगर, मवडी प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स रायल फाउन्ड्री भागीदार श्री कानजीभाई शामजीभाई पटेल तथा अन्य के मारफत, मवडी प्लॉट, राजकोट। (अन्तरक)

(2) श्री चामुन्डा फाउन्ड्री भागीदार श्री शैलेश एन० शाह के मारफत उमाकान्त उद्योगनगर, मवडी प्लॉट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी का मकान याने शेड, जो 1422-2-0 वर्गगज जमीन पर स्थित है जिसका सर्वे नं० 401 पैकी प्लॉट नं० 7 है, "श्री चामुन्डा फाउन्ड्री" नाम से प्रख्यात शेड उमाकान्त उद्योगनगर, मवडी प्लॉट, राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4654/नवम्बर, 1978 से, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किया गया है याने प्रापटी पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 688/ए सी० क्यू-23-1260/19-2/78-79--अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 679, सेक्टर नं० 22 है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मोदी अम्बालाल मांकलचन्द बे भर्गदास (1) अम्बालाल मांकलचन्द, (2) रजनीकान्त अम्बालाल मोदी तथा वैद्य वारीम घाईबेन अम्बालाल गांव पेघापुर, जिला गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री ठक्कर रमणलाल लालजीभाई, सेक्टर नं० 28, ब्लॉक नं० 106/1, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन सेक्टर नं० 22 प्लॉट नं० 679 का गांधीनगर टाउनशिप में स्थित है। प्रापटी में दुकान है जिसके तीन हिस्से हैं। 2 हिस्से आगे और एक पीछे, आगे के हिस्से का क्षेत्र तिहाई भाग तथा पीछे का पूरा हिस्सा किराये पर दिया गया था। यह ट्रांजेक्शन सब रजिस्ट्रार गांधीनगर द्वारा अक्टूबर, 1978 में नं० 1012/78 से रजिस्ट्री किया गया है। जमीन का क्षेत्रफल 87.5 वर्ग मीटर है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 7 जुलाई 1979।

मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर०-III/1672-3/78-79—अतः,
मुझे, बी० एम० शेषाद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िम्मे सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो चेंबूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-10-1978 कागजात नं० 5168/70-आर० को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना-बिना या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

(1) बहारगेट को-अप० हाऊ० सो० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री सोमराज हन्सराज बाहरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 5168/70 आर० बम्बई उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 23-10-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० एम० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 26-4-79

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर०-111/1673-4/78-79—अतः, मुझे, बी० एस० गोपात्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो चेंबूर में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-10-1978 कागजात नं० 5167/70-आर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बक्षारगट को-आप० हाऊ० सो० लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश हंसराज बहारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 5167/70 आर० उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 23-10-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० एस० गोपात्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 26-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० II/1670/78-79—अतः मुझे,
डी० एस० शेपाटी,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एन० नं० 192, 192/1,
194, 194/1, 194/2, 194/3 एस० नं० 49 हि० नं०
3 (अंश) हि० नं० 4 (अंश) है तथा जो मोगरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अफ़ीकार की कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 30-10-1978 कागजात नं० एस०-468/73

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—
8-166GI/79

(1) श्री वसन्तराय भाईदास भूता

(अन्तरक)

(2) श्री हेवन इंजिनियरिंग कं० प्रा० लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) 2. मैसर्स बाम्बे वोकम एण्ड कांटन कं०, (2)
मैसर्स भारत विजय हिंदू हॉटेल, (3) रायल
रबर वर्क्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (यह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एम०-468/73 उप-
रजिस्ट्रार अफ़ीकार द्वारा दिनांक 30-10-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

डी० एस० शेपाटी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 30-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर०-III/1671/2/78-79--अतः मुझे,
वी० एस० शेषाद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
के अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 11 हि० नं० 8 से 13 (अंश)
और 15 एस० नं० 57 हि० नं० 9 और 11 एस० नं०
30 हि० नं० 1 (अंश) है तथा जो विलेज मोहीली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30-10-1978 कागजात नं० एस० 473/73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृत्तमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्तमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री रामप्रकाश मेहरा, कपाल मेहरा, जितेन्द्रलाल
मेहरा । (अन्तरक)

(2) आर० के० मिल्क मिल्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 473/73 उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-78 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रकाशक: डी. एन. एस.

(1) जगत फार्म, प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

(2) निउ फार्मा प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश नं० ए० आर०-III/1674/5/78-79-अनः

मुझे, श्री० एस० शेषाद्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 खोती ए० एस० नं० 353 हि० नं० 3 (पा०) एस० नं० 359 हि० नं० 1 (अंश) 2 (अंश) और 4 (अंश) सी० टी० एस० नं० 4102 इ और 4192 इ (1 से 11) है तथा जो कोले कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1970 कागजात नं० एस० 2166/77)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किन्ना जमा चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जसा कि विलेख नं० एस०-2166/77 उप-रजिस्ट्रार अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्री० एस० शेषाद्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० 3/1675/6/78-79---अतः
मुझे, व्ही० एम० शेपात्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० एम० नं० 144 सीटी एम० नं०
830 है तथा जो अविबली में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-10-1978
कागजात नं० पी० एम० 837/76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किता याव को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

(1) श्री श्रीधर ए० सालवी और शंकरजी प्रभु
(अन्तरक)

(2) मैसर्स विश्वकर्मा बिल्डर्स और कम्बाइन के भागी-
दार आयरीन गोम्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राप्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० पी० एम० 837/76
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 25-10-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

व्ही० एम० शेपात्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 30-4-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० III/1680/10/78-89—अतः

मुझे, वही० एम० गेपाद्री,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, 50, 51 सं० नं० 14 ए० (अंग) है तथा जो चेंबूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 कागजात नं० एम० 697/78

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री दि स्वस्तिक टेक्स्टाईल मिल्स लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री बानक को० ऑप हाउ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) श्री डा० भोला नाथ मसोधर घोष, (2) डा० सुब्रह्मण्यम अनिल राय, (3) श्रीमती नमीता नुपेंद्र किशोर चौधरी, (4) श्री प्रसन्न कुमार बालाशंकर गान्वा, (5) श्री सुवीरमल सुरेश चंद्र वसु, (6)

डा० खगेंद्र जैनेन्द्रनाथ राय, (7) श्री अरुण गंगा-दास भट्टाचारजी, (8) श्री बहनी राम अग्रलाल (9) श्रीमती नीता अलोक कुमार कुलभी, (10) श्रीमती मेनशी जोगलदन बान्जरजी, (11) श्रीमती कमल यशवंतराव देशपांडे, (12) श्रीमती नीता अरविंद मावकर, (13) श्री नीरमल कुमार ब्रतांयक्रीष्ण पाल, (14) डा० सुनीती कुमार नरेंद्रनाथ मित्रा, (15) श्रीमती नीला के० एस० ए० एम० मनी मुन्नमनीयम, (16) श्रीमती मुद्रासीनी प्रमाद आठवले, (17) श्रीमती कुसुम वनवन जोशी, (18) श्रीमती सुमन सुर्यकंत पग, (19) श्री पार्थसारथी मनींद्रलाल सेनगुप्ता, (20) श्रीमती अमाराणी अजीत कुमार मुखर्जी, (21) श्रीमती माया कल्याण कुमार चौधरी, (22) डा० वेलीशर रामचंद्र मंजुनाथ, (23) श्रीमती मीली गैरचंद्र कार, (24) श्रीमती मंडीरशांती कुमार घोष, (25) श्री सुवीरकुमार अजयश्री चटर्जी, (26) श्री नीमाई चारन निरंजन कुमार मित्रा, (27) श्रीमती रेखा अजीत बनर्जी, (28) श्री सुनीलकुमार अजयश्री चटर्जी, (29) श्री पूर्ण चंद्र एस० दासगुप्ता, (30) श्रीमती अमीया कुमार चौधरी, (31) श्री दिलीप ललीत मोहन घोष, (32) श्री प्रकाश प्राणकुमार भट्टाचार्य जी, (33) श्री सुजीत कुमार ममीर दत्त, (34) जयन्त ब्रताय कुमार घोष। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एम० 697/78 उप-रजिस्ट्रार अधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 19-10-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वही० एम० गेपाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्राधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बंबई

बंबई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० II/2696-1/अक्टो० 1978/

—अतः मुझे, वही० एस० शेषाद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अंतिम प्लॉट नं० 76 टी० पी० एस० नं० 3 तथा जो मोरी रोड भाहीम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-10-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री पुरुषोत्तमबाबानी श्रीमती पुष्पा दश्वरदाम तुलसीयानी (अन्तरक)
- (2) श्री मरहीम पुष्प कुंज ओनर्स को० प्रा० हाऊसो० लिमिटेड (अन्तरिती)

- (3) (1) दिलिपकुमार के० भंडारकर, (2) श्रीमती चित्रलेखा एस० खेलन अंड श्री सीताराम एस० खेतन, (3) श्री बी० एन० मराठे, (4) श्रीमती निर्मलाबाई जी श्रीलानी अंड श्रीमती सावित्री टी० श्रीलानी, (5) श्रीमती श्रे० ई० अल्फा, (6) श्री व्हीक्टर नरोन्हा, (7) श्री दौलतराम के० खुबानी, (8) श्रीमती फीलोमीना कारव्हेले, (9) श्रीमजी जमनादास खीलानदास

नेम्स आंफ गांप होल्डर्स :

- (1) श्री एच० वी० डेदारकर, (2) डा० रेनोटोरीस फर्नानडिस श्रीमती मिलानी इरान फर्नानडिस, (3) श्री मोहन तेजुमल असरानी, (4) श्री मोहम्मद धाण अहमद हुसोनी, (5) श्रीमती एस० टी० डिक्रुस अंड श्री जरी डिक्रुस (6) श्री प्राणनाथ श्रे० पांडे अंड श्री वीश्वनाथ एन० दवे (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख नं० 2481/71 बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 2-10-1978 को रजिस्ट्रार किया गया है।

वही० एस० शेषाद्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० 2/2700-5/78—अतः मुझे, वही० एस० शेपात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 2 अग्निम प्लॉट नं० 1216 टी० पी० एस० बंबई सिटी नं० 4 है तथा जो वीर सावरकर मार्ग (महीम) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मॉडर्न मिक्सीन सिने लैबोरेटरी प्रा० लिमिटेड । (अन्तरक)

(2) व्ही स्टार लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1491/77 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 5-10-1978 को रजिस्टर किया गया है ।

वही० एस० शेपात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० 2/2702-7/अकन्० 78—अतः
मुझे, व्ही० एम० शेपात्री,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० सिटी एम० नं० जी/31, प्लॉट नं०
6 टी० पी० एस० 2 है तथा जो व्हीलेज दान्डा में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-10-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मधूसुदन वामन कोठारे गजानन वामन कोठारे।

(अन्तरक)

(2) गान्ताकृष्ण गणेश कृपा को० आप० हा० सी०
लिमिटेड। (अन्तरिती)(3) श्रीमती पी० टी० देमाई, श्रीमती के० बी०
कायडीया, श्री के० एम० शहा, श्री डी० एम०
पांचोलीर, श्रीमती एम० पी० खांडेकर, श्री एन०
जी० डाक्टर, श्री वा० व्ही० तलवलकर, श्री
आर० एल० ठक्कर, श्री ए० जी० शहा, श्रीमती
एम० एम० कपसी, श्री ए० के० मरफाटीया,
श्री पी० एम० कोठारी, श्री सी० बी० खनसारा,
श्री एन० सी० देमाई, श्री व्ही० एम०
गांधी, श्री बी० पी० देमाई, श्रीमती आय० बी०
कापसी, श्री डी० बी० मोदी, श्री पी० आर०
जालारी, श्री पी० व्ही० पंडीत, श्री जे० बी०
जरीवाल, श्री के० पी० पारीख, श्री एस० एम०
डोशी, श्री व्ही० ए० शाहा।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1251/74 उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 12-10-78 को रजिस्टर्ड
किया है।

व्ही० एम० शेपात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० आर० 1-4065/38/78—अतः मुझे,
व्ही० एम० शेषाद्री,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एम० नं० 3/699 और 698 (पार्ट)
है तथा जो मासाबार कंवाला हिल डिव्हीजन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-10-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9-166 GI/79(1) 1. बद्रुद्दीन त्याबजी, 2. मलसीन त्याबजी सरभायविग
इक्लीक्यूटर आफ दि लेट श्री फौज बद्रुद्दीन
त्याबजी। (अन्तरक)(2) त्याबजी बाग को० आप० ही० सो० लि०
(अन्तरिती)(3) मोमायटी के मैवर्स
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवर्षी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1689/72/ब० उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-10-1978 रजिस्टर्ड
किया गया है।

व्ही० एम० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० 459-ए/पी० एन०/कानपुर--अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन मकम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/87-ए है तथा जो सिविल लाइन्स
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उलझे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री राम नारायण अवस्थी व श्री अरुण नारायण
अवस्थी 8/2, आर्य नगर, कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्री राम रस्तोगी, महेश कुमार रस्तोगी, अवधेश
कुमार रस्तोगी व दिनेश कुमार रस्तोगी, 15/87-ए,
सिविल लाइन्स, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदितकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट संख्या 15/87-ए सिविल लाइन्स, कानपुर में
1,44,645/- रुपये में बेचा गया है।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-6-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० 478-ए/पी० एन०/मेरठ—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32 से 36 है तथा जो न्यू० मार्केट
बेगम ब्रिज रोड मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन लाल व श्री रिखी केश पिता श्री
रलिया राम साकिन नाहन जि० सिरमौर हि०
प्र० (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार मित्तल पुत्र श्री मंशी लाल
साकिन लक्ष्मी भवन छिपी टैक (मेरठ)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कानपुर

एक मकान नम्बर 32 से 36 हाल 8 बाके लाजपत
मार्केट हाल न्यू मार्केट बेगम ब्रिज रोड मेरठ में 36,000/-
रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-6-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 466-ए/मेरठ—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 177, 178 है तथा जो मोहकम्पुर मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारक—

- (1) श्रीमती तारावती पत्नी मंगल राम निः प्रह्लाद नगर (मेरठ) (अन्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मकखन लाल, अमर सिंह पुत्र राम चन्दर व फकीरचन्द्र पुत्र साधू राम व अमर नाथ पुत्र मेहरचन्द्र साकिनान मायापुरी देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जोकि 1672 मुरब्बा गज आराजी नं० खसरा 177 व 178 बाके मौजा मोहकम्पुर जिला मेरठ में स्थित है वह 33,440/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 15-6-1979
मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 467-ग० / मेरठ—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो मोहकमपुर मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबिठ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती धन देवी पत्नी लाल हरी चन्द्र किशन पुरा गन्दा नाला साहासपुर। (अन्तरक)

(2) श्री विद्यासागर पुत्र मन्मथन लाल अमर सिंह पुत्र राम चन्दर व फकीरचन्द्र पुत्र साधुराम व अमर सिंह नाथ पुत्र मेहर चन्द्र माकिनान माया-पुरी देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो कि 1672 मुखता गज आराजी नं० 177 व 178 वाके मौजा मोहकमपुर जिला मेरठ में स्थित है। 33 440/- रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 468-ए०/मेरठ—अतः मुझे भ० च०

चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो मोहकमपुर मेरठ में स्थित है (और इस उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तैयार किया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--

- (1) श्री राम प्रकाश पुत्र हरी चन्द्र निवासी, हरिपुर कुर्ती चतान देव (अन्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मकखन लाल, अमर सिंह पुत्र रामचन्द्र, फकीरचन्द्र पुत्र साधु राम, अमर नाथ पुत्र मेहर चन्द्र साकिनान मायापुरी, देहली (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 836 वर्ग गज खसरा नम्बर 177, 178 स्थित मोहकमपुर जिला मेरठ में 16,770/- रुपये में बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-6-1979
मोहुर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 469-ए०/मेरठ—अतः मुझे, भ० च०
चतुर्वेदी,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो देहली रोड
मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम प्रकाश पुत्र दीवान चन्द्र निवासी बिलासपुर
अमबाल (अन्तरक)

(2) श्री विद्यानागर पुत्र मकखन लाल, अमर सिंह
पुत्र राम चन्दर, फकीरचन्द्र पुत्र साधु राम व
अमर नाथ पुत्र मेहरचन्द्र निवासी मायापुरी
वेहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 836 बर्ग गज अंतरा नम्बर 177, 178 स्थित
देहली रोड मेरठ में 16,720/- रुपये में बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

: 15-6-1979

सोहर:

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० 472 ए०/मेरठ—अतः मुझे, भ० च०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो बागपत, रोड मेरठ में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरोत्तम कुमार सूरी पुत्र डा० शिवराम सूरी
निवासी डेम्पियर पार्क मथुरा व श्रीमती पुष्पा
आनन्द धर्मपत्नी श्री बलराज आनन्द साकिन 30
मन्केन शहर, मेरठ (अन्तरक)

(2) नेल्को इन्डिया लिमिटेड एण्ड नं० 8 बागपत रोड,
द्वारा श्री आदेश कुमार पुत्र श्री बलराज आनन्द
साकिन 30 साकेत, शहर, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नेल्को इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड नं० 9 बकि बागपत
रोड शहर मेरठ जिसकी भाराजी तहसी 2090 वर्ग गज है
90,000/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 480-ए०/जी० बोर्ड—अतः मुझे, भ० च०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 235, 236 है तथा जो गढ़मुक्तेश्वर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़मुक्तेश्वर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मुस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1);
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

10-166GI/79

(1) श्री कुशर वीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुवरशखन सिंह
निवासी ग्राम ढाना पर: व तह: गढ़मुक्तेश्वर
जिला गाजियाबाद, श्रीमती विजय धर्मपत्नी
श्री नरेन्द्र सिंह, श्रीमती अर्चना धर्मपत्नी कुशर
वीरेन्द्र सिंह, श्रीमती कृष्णा कुमारी धर्मपत्नी
रघुवर तारा सिंह ग्राम ढाना पर: व तह:
गढ़मुक्तेश्वर जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

(2) श्री दया किशन जैन पुत्र छंगापाल जैन,
अनिल कुमार जैन पुत्र दया किशन जैन श्रीमती
माला देवी धर्मपत्नी श्री किशन जैन निवासी
मुरादाबाद लाइनपार चिडिया तेला जिला मुरादाबाद
व श्री अरुण कुमार जैन पुत्र श्री महावीर प्रसाद
जैन निवासी 1729 दरी बाकला देहली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि कोल्ड स्टोरेज व वर्षागाना स्थित सिम्मावली पर:
व तह: गढ़मुक्तेश्वर जिला गाजियाबाद जिसका खसरा
नम्बर 235 व 236 है तथा चौ० पूरब में दरवाजा वादह
मड़क पी० डब्ल्यू० डी० (देहली गेट रोड), पश्चिम खेत
वताली व उत्तर में खेत श्री हरीराम शर्मा दक्षिण में रास्ता
मिडिल स्कूल स्थित सिम्मावली पर व तह: गढ़ जिला
गाजियाबाद में 1,71,000/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 596/ए० सी० व्यू०/कालपी/78-79—अतः
मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मददेखी
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 27-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम आसेर पुत्र जगत नारायण व राध
श्याम व सीत राम व हर नारायण गुप्त पुत्रगण
जगन्नाक निवासी मौजा दोररात पर: भोगनीपुर
जिला कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती भरती पती वकील हिंदव छोटे लाल
व शमनी र मिह रमण मिह की वीरेन्द्र मिह पुत्र
गण मौजा मिह सा नूरपुर पा० कालदी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि कुल 12 किता रुकवा 18-84 मौजा मदरोनी
पर: कालपी में 6,0,000/- की बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 654/ए० सी० न्यू०/78-79—अतः मूले, भ०
च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो न्यू० आगरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 10-11-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जुगल किशोर अरोरा पुत्र श्री नानक चन्द
नि० विजय नगर कालोनी आगरा
(अन्तरक)

(2) श्री बट्टी प्रसाद अग्रवाल व श्री फूल चन्द्रा अग्रवाल
व राजिन्द्र कुमार गोयल पुत्र गण श्री नेमीचन्द
अग्रवाल विजय 933 सरोलिया विल्डिंग सिल्ले-
गंज आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 166 खतई 564 वर्ग गज पॉजि 461-52
वर्ग मीटर न्यू आगरा में 60,000/- कानेचा माफ।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 408/ए/कानपुर—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 7/199, स्वरूप नगर, कानपुर है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता, पुत्र स्व० वानु राम गुप्ता, 7/198, स्वरूप नगर, कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री मंसर्स कानपुर नर्सिंग होम प्रा० लि० 113/74, स्वरूप नगर, कानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर, 90-H क्षेत्रफल, 302 क्वायर वर्ग गज स्थित 7/199 स्वरूप नगर, कानपुर में 45,300/- रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79
मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून, 1979

निदेश नं० 413-ए/कानपुर—अतः मुझे भारत चन्द्रचतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 136 है, तथा जो ओ० स्कीम किदवई नगर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरिमिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वस्तुओं,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० एन० गर्ग (त्रिलोकी नाथ गर्ग) सुपुत्र
बलदेव राम गर्ग निवासी रिजर्व बैंक आफ इंडिया
गान्धी मार्ग, कानपुर । (अन्तरक)

2. श्री जमीपाल यादव पुत्र श्री बाबूलाल यादव
निवासी मौजा, (बैसर) तह० वजिला कानपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नम्बर. 311 स्वयंवर वर्ग गज, ब्लॉक के स्कीम
नं० 2 किदवई नगर, कानपुर में 25,813/- रु० को बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 432-ए/गाजियाबाद—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 679 है, तथा जो चपरोली में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रवीन्द्र शर्मा गुप्त बूलाकी राम
निवासी 3ए, माडल टाउन, गाजियाबाद
(अन्तरक)
2. श्री एन० के० गुप्ता गुप्त स्व० श्री लाला मदन लाल
निवासी ए-373, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्वेष्टाश्वरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर, 679, 5041 वर्ग गज में स्थित चपरोली में
40,000/- रुपये का बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश नं० 473- मेरठ—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 174 अर्ब नं० 144 है, तथा जो थापर नगर, मेरठ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 29-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अशोक कुमार व श्री अनिल कुमार पिसरन, श्री नरथूमल कुलकर्णी, निवासी मोहल्ला थापर नगर, मेरठ ।

(अन्तरक)

2. सरदार सन्नोक सिंह पुत्र सरदार अमर सिंह व श्रीमती कुलजीत कौर धर्मपत्नी सरदार मोहन सिंह साकिन मोहल्ला थापर नगर, शहर मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति का एक पर्सनल मकान नम्बर, 174 दस्तावेज नं० 144 बांके मोहल्ला थापर नगर, शहर मेरठ में 2,15,000/- रुपये का बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख 16-6-1979
मोहर :

प्ररूप सार्ई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 475 ए/एफ०एन०/गाजियाबाद—अन: मुझे
भ० च० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० के-5/7 है, तथा जो कविनगर, गाजियाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री हरिकिशन लाल पुत्र श्री परमराम चावला,
ग्राम स्यवाल, मेरठ गंगूवाल, त० आनन्दपुर सहित
जिला रोपड़, पंजाब

(अन्तरक)

2. श्री एम० एल० शर्मा, (मुनिलाल शर्मा) पुत्र स्व०
राधा किशन व श्रीमती जुगिन्दर वती शर्मा पत्नी
एम० एल० शर्मा, निवासी गण गौंड-बी, 55 नेहरू-
ग्राउन्ड गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पत्र के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सकल नं० के-5/7, स्थित नया कविनगर, गाजियाबाद
क्षेत्रफल 750 वर्ग गज, 60,000/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 516/ए०सी०एन०/खेरागढ़/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो खेरागढ़ कान्धी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेरागढ़, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में द्वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनु० सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयाग :—
11-166G1/791. श्री श्यामलाल पुत्र श्री ब्याली राम
निवासी ग्राम, व पोस्ट मरौंधी, तहसील खेरागढ़,
जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री नंदेरिया वंशकर पुत्र गण हुवामा
निवासी ग्राम व पोस्ट मरौंधी, तहसील खेरागढ़,
जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके तत्पश्चात् के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खाता नं० 1920/1/12/1, 1915/2/10-II के मौजा सोन्धी जि० आगरा में 40,000/- की बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख 16-6-79
मोहर

प्रारूप जारी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 543/ए०सी०क्यू०/एटा/78-79—अतः मुझे भा० ज० चयवेंदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बांके सिरसा टीपू माहरा वसत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, मैनपुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं है।

(क) अन्तरण प कई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रामपाल सिंह व नत्थू सिंह सुपुत्र श्री रोशन सिंह नि० नवला उद्यम, सिकआ टीपू, पीर खास पर माहरा जिला मैनपुरी, एटा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेवती पत्नी श्री बलवीर सिंह व रत्नवीर सिंह व श्रीमवीर सिंह, व जयप्रकाश सिंह सुपुत्र मेधा सिंह लोधाभाई पर्व माहरा, जिला एटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि शिरसा टिप्पू पर मरहरा वसत 1383/0/76 व 1370अ/361, पर 57,000/- रुपये की बेची गयी।

भा० ज० चयवेंदी
मसम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 552/ए०सी०क्यू०/मथुरा/78-79—यतः मुझे
भा० च० जयवंदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मथुरा में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किमा जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बनारसीदास, विश्व प्रकाश सुपुत्र श्री कासीनाथ व
अशोक कुमार सुपुत्र बनारसी, निवासी मथुरा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी श्री रमेश चन्द्रा,
महेश चन्द्रा अग्रवाल, सुपुत्र श्री दाउदयाल,
निवासी चौक, मथुरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2512 बाँके रानी की मंडी, मथुरा में 4365 वर्ग फीट
प्लॉट 185.669-55 में बेचा गया।

भा० च० जयवंदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 553/ए०सी०एच०/मथुरा/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिम्की सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो मथुरा में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमां पाम का शायन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धर्म धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वेश्वरी बनारसी दास, विष्णु प्रकाश सुपुत्र काशी नाथ जिला मथुरा ।

(अन्तरक)

2. श्री दाऊदयाल सुपुत्र श्री होती लाल व रमेश चन्द सुपुत्र दाऊदयाल मलिक चौक मथुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो किला प्लाट नं० 7 व 8 जोकि राजे की मंडी, तथा मि० नं० 2518 क्षेत्रफल 1427-54 वर्ग मील 123908/- रु० में बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-79 ।

मोहर :

प्रकरण चार्ज-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निवेदन सं० 582/ए० सी० स्क्रू०/78-79—प्रतः मूखे
भा० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ग्राम मथरा
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से
अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों)
के बीच ऐसे घन्तरण में लिये गए पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्धरण से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण में हुई किसी धन की वास्तविक अवधि-
नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाता था कि या, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत :—

1. श्री फूल चन्द पुत्र तुलसी राम भूमिधर, सदाचन
(अन्तरक)

2. श्री रामदयाल, पुत्र लीला धर, ओम प्रकाश व चन्द्र शेखर
पुत्र गण राम दयाल निवासी सयादन, पोस्ट सायदन
ता० हाथरस, जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सवानमठ 25 300 की बेची गयी।

भा० च० चतुर्वेदी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 610/एसीक्यू०/78-79—अतः मुझे
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बांक ग्राम
खरकाहेड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीगर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरलिपियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री पुन्ना पुत्र बाबाम रानीगम सुपुत्र अमर सिंह, राम
सिंह, रामचन्द, सुपुत्र बख्तावर सिंह जाति
नि० खरकाहेड़ी, पो० रामपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण पाल, प्रेम पुत्रगण जय सिंह व राम चन्द पुत्र
धीरज सिंह व रकम सिंह पुत्र भारत सिंह राकत सिंह व रतन
सिंह, व मत्स्यपारा सिंह पुत्रगण भिताब सिंह
नि० ग्राम साकवा, प० रामपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति महितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बांक ग्राम खरकाहेड़ी, प० रामपुर, कुल 11 किले का
3/4 भाग कृषि भूमि 55868/- को बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-76

मोहर :

प्रकृप ग्रांट-डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 652/ए० सी० क्यू०/78-79—अतः मुझे

भा० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो रुई की मंडी, आगरा में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्यन्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उ के दृश्यमान मोरुन से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पट्टह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी- (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निये गये बाजार मूल्य पक्षिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित मे वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन् या अन्य पास्तियों
को चिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनां
अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
या अन्तरण चार्ज था, विधान में सुविधा के लिये।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षातः—

1. श्री राम कुमार जैन, आत्मज मोहन लाल जैन,
निवासी रुई की मंडी, शाहर, आगरा, हास
निवासी जयपुर हाउस, मोहा मंडी, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री शिवकान्त, मुन्नालाल, आत्मज श्री बाबू लाल
निवासी ग्रा० कैथरी धौलपुर, जिला भरतपुर, राजस्थान
(अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में यदि आश्चर्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवस्थापक के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में देखा
गया है।

अनुसूची

House property double storeyed, land measuring 235 Sq.
meter and open space about 207 Sq. meter No. 3/221A Rui ki
Mandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs.
82,000/-, the fair market value of which has been determined
at Rs. 138,000/-.

भा० च० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-79

मोहर :

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 656/ए० सी० ब्यू०/78-79—अतः मुझे
भा० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ईदगाह कालोनी, आगरा
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-11-78 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. ज्ञान सिंह पुत्र स्व० दयाल सिंह व श्रीमती रामरानी
विधवा, सूरूप सिंह व कुंवर बीर सिंह पुत्र सरदार स्वरूप
सिंह, व राजेन्द्र सिंह पुत्र स्व० सरदार कृपाल सिंह व
बखतार, जसवंत कौर विधवा सरदार किरपाल सिंह,
श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती गुरमीत कौर पुत्रियां
स्वर्गीय सरदार किरपाल सिंह द्वारा मुहत्तर नामा
ईदगाह निवासी ईदगाह कालोनी, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश ओवराय पुत्र श्री श्रीराम ओवराय निवास
ईदगाह, कालोनी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक सकान नं० 66 ईदगाह कालोनी, आगरा में 6,0000/-
रु० में बेचा है।

भा० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-76

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 674/ए० सी० क्यू०/78-79—अतः सूचे
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा वि० खरसल तह०
नकूर, सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—166GI/79

1. श्री रहमू पुत्र दलमीर व साहबू पुत्र इमामअली निवासी
निवासी खैरसाल, डा० जारखेडा, प० गगोह
त० नकूर, जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री शरीफ अहमद और जरीफ अहमद पुत्रगण
अब्दुला गफ़ूर निवासी गमोटे, डा० खाम, त० नकूर,
जिला सहारनपुर।

मे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं नहीं भ्रम होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम खैरसल पर० गगोह, तह० नकूर, जिला
सहारनपुर में 7,000/- में बेच गयी। जिसका वित्तीय
मूल्य रु० 57000/- आंका गया है।

भा० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून, 1978

निर्देश सं० 678/एसी क्यू०/रुड़की/78-79—प्रतः मुझे
भ० च० चतुर्वेदीभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,और जिसकी सं० है तथा जो रुड़की
में स्थित है (और इससे उर्पाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की
सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-11-78को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—1. श्री किनोदकुमार पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी ग्राम
भगौडी, महावतपुर, परगना ब तह० रुड़की, जिला
सहारनपुर। (अन्तरक)2. श्री बाबू राम शर्मा, पुत्र श्री बदन सिंह निवासी
ग्राम रोहता कलां, सुरेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र बाबू राम
शर्मा निवासी ग्राम जेमपुरी, रुड़की, जिला सहारनपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोषस्तम्भरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान सं० 501 (3-4) उत्तर दक्षिण में 40
मिगिल लाइन्स, रुड़की सहारनपुर में 68,000/- बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79

मोहर :

प्राप्त्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निदेश सं० 491/ए० सी० ए०/78-79—अन: मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जमकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो 360, सैयद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शरदकुमार गुप्ता, पुत्र चन्द्र प्रकाश गुप्ता, निवासी मोहल्ला ईशबी, ग्राम नजीमाबाद, जिला० बिजनौर बरमियत मुखतार खास श्रीमती प्राणकुमारी स्व० लाला गोपी नाथ पत्नी चन्द्र प्रकाश गुप्ता निवासी मोहल्ला कल, बिजनौर

(अन्तरक)

2. श्री कलाश चन्द्र गुप्ता, पुत्र श्री मिठनलाल नि० नोदा बाया आगरा व श्री राधेश्यामप्रसाद शर्मा पुत्र दीनानाथ शीतला गली, आगरा, व रामकुमार गुप्ता पुत्र श्रीराम गुप्ता निवासी रुई की मन्डी आगरा व उमिला देवी पत्नी रमेश चन्द्र जैन, निवासी लाल दरवाजा, मोती बाग आगरा व श्री कुमार पत्नी जगरण जैन, शीतला गली आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन 1016 वर्ग गज बुठान से ओमद नागना शहर आगरा में 48,000/- रु० में बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 18-6-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश नं० 593/ए० सी० यू०/सहारनपुर/78-79—अतः
मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो चन्द्र नगर,
सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 2-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बाकअवधि का में तथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार मैं,
यै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भारतेश्वर नाथ जैन एडीशनल रजिस्ट्रार
हाई कोर्ट, इलाहाबाद व बाबू चक्रेश्वर नाथ जैन
एडवोकेट (SDGC), क्रिमनल, सहारनपुर सुपुत्र
लाला त्रिलोकी नाथ जैन, निवासीगण चन्द्रानगर,
सिविल लाइन्स, सहारनपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री रतनचन्द्र कपूर, पुत्रगण स्व० लाला गौरी शंकर
कपूर, विजय कुमार कपूर, देवेश कुमार कपूर निवासी
वीर नगर चिलकाथ रोड, सहारनपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

चन्द्र नगर, सिविल लाइन्स, सहारनपुर में प्लॉट 64,000/-
रुपये का बेचा गया ।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-6-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० 733/ए० सी० क्यू०/फर्रुखाबाद/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शत जंग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फर्रुखाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गोपाल पुत्र लाला प्यारे लाल
निवासी घुमनी मोहाल पेशावाली गली, शहर कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती चिरंजी देवी जोजा पं० किशन गोपाल व
श्रीमती मधुलता देवी जोजा राकेश कुमार
स फर्रुखाबाद, ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला मु० खतराम फर्रुखाबाद में 45,000/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-6-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निदेश सं० 857/ए० सी० क्यू०/देहरा०/78-79—अतः
मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो खेरी खुर्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुन्दन लाल छावड़ा पुत्र श्री जीवनदाम छावड़ा नि० ऋषिकेश परगना जिला० देहरादून।

(अन्तरक)

2. मै० खैराना आदर्स रजिस्टर्ड हैड आफिम होशियारपुर, पतेरा आंच आफिम मुर्तजी मार्ग गोपाल मंदिर ऋषिकेश जिला देहरादून, द्वारा मन मोहन खुराना मै० उपरोक्त फर्म।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुर्द परगना जिला देहरादून, में भूमि तापमी डैमिमल 0.95 एकड़ नं० खसरा 45,900/- रु० में बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० 701/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे
भ० च० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स०..... है तथा जो.....
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर;
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अग्न्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मामूद फातमा व शमीप फातमा
15/202, दूधवाला, बंगला, सिविल लाइन्स, कानपुर
(अन्तरक)

2. मै० रईम पुत्र हाजी अब्दुल रमीद
92/223, बेकागंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 98/32, बेकागंज, कानपुर
48,000/- रुपये में बेची गयी जिसका कि अनुमानित उचित
बाजारी मूल्य 8,0000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम अधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 8-6-79

मोहर:

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० 51/नव०/78-79—यतः मुझे, श्री० आनन्दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कोट्टुमेट्टुपट्टी गांव है, जो ओमलूर तालुक
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओमलूर
(डाकु० नं० 1896/78) में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम को
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० नूरजहान

(अन्तरक)

2. श्री ए० मिक्सुमनियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1896/78 एस० आर० श्री० ओमलूर
एग्रीकल्चरल भूमि 19.70 एकड़ कोट्टुमेट्टुपट्टी गांव पर,
ओमलूर तालुक, (सर्वे नं० 165/2, 165/3, 156/3, 151/2,
151/6, 165/5, 165/4, 166, 155 और 156/5) है।

श्री० आनन्दास

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-7-79

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

1. श्रीमती राजेश्वरी, 2. श्री नितिलन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० 52/मव०/78-79—अतः सूचित। श्री० आनन्दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 110 है, चेल्लपामपट्टी गांव में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय में डोनाल्ड चौलद्री (आकु० नं० 1215/78) में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक का गैर है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पर पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—166GI/79

2. श्री रामसामि, गन्तुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकमेन्ट नं० 1215/78 एम० आर० ओ० मेक डोनाल्ड चौलद्री एगो कल्लवरल भूमि 3 एकड़, सर्वे नं० 110, चेल्लपामपट्टी गांव, मंकरि तालुक।

श्री० आनन्दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 2-7-79

मोहर:

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—

1. श्रीमती राजेश्वरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती पावामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 53/नवम्बर/78-79—अतः मुझे; श्री० आनन्दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० सर्वे नं० 110, चेल्लापमपाट्टी गांव, है जो
संकरी तालूक में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मेक डोनालड चोलद्री (डाकु० नं० 1214/78) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य भास्तिधों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
अध्याया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के
गम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वबोद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

डाकुमेंट नं० 1214/78 एम० आर० श्री० मेक डोनालड
चोलद्री एग्रीकल्चरल भूमि-3 एकड़, सर्वे नं० 110 चेल्लापमपाट्टी
गांव संकरी तालूक।

श्री० आनन्दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती राजेश्वरी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश नं० 54/नवम्बर/78-79—अतः मुझे; श्री० आनन्दास प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 110, चेलाप्पमपाट्टी गांव है, जो संकरी तालुक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय में डोनालड, चौलद्री (डाकु० नं० 1213/78) में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री कलामस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1213/78 एम० आर० ओ० मेक डोनालड चौलद्री, एग्रीकल्चरल भूमि 3 एकड़, सर्वे० नं० 110 चेलाप्पमपाट्टी गांव, संकरी तालुक।

श्री० आनन्दास,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-7-79

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1921—यत मुझे, बी० एस०

दहिया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती देवकी देवी पत्नी लक्ष्मी राम 4/1 मैट्रोल टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री मुखदेव कुमार और नारेण कुमार पुत्र बीर भान मैट्रो फ़ैज़ल गंज, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)।

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5414 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रारकी अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख: 6-7-1979

मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th July 1979

No. F.6/79-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri H. S. Munjal, Olig. Assistant Registrar as Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed S/Shri R. N. Joshi, Court Master and S. S. Srivastava, Private Secretary to the Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed S/Shri A. M. Srivastava, Assistant and R. C. Jain, Assistant as Officiating Section Officer, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

R. SUBBA RAO
Registrar (Admn.)

New Delhi-110011, the 26th June 1979

No. A. 32014/1/79 Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :

S. No.	Name	Regular post held	Post to which <i>ad hoc</i> appointment made	Period for which <i>ad hoc</i> appointment made
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	S.P. Mehra	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior P.A. (Grade B of the CSSS)	1-7-79 to 31-8-79 or until further orders which ever is earlier.
2.	O.P. Deora	Stenographers and permanent P.As (Grade C of the CSSS).		
3.	Hukam Chand	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior P.A. (Grade B of the CSSS)	60 days w.e.f. 20-6-79 to 18-8-79 or until further orders which-ever is earlier.
4.	H.C. Katoch	Stenographers and Permanent P.As (Grade C of the CSSS)		
5.	T.R. Sharma	Permanent P.As (Grade C of the CSSS)	Sr. P.A. (Grade B of the CSSS)	60 days w.e.f. 20-6-79 to 18-8-79 or until further orders which ever is earlier.
6.	K.S. Bhutani			

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. The *ad hoc* appointments of S/Shri S.P. Mehra and O.P. Deora to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDRAN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 4th July 1979

No. O.II-992/72-Estt.—The services of Shri Kuldip Singh, Dy. S. P., CRPF are placed at the disposal of National Police Commission (MHA) w.e.f. 4-10-78 for appointment as Dy. S. P. on deputation basis.

2. Prior to his deputation to National Police Commission, (MHA) the headquarters of Shri Kuldip Singh, Dy. S. P. was Imphal (Manipur).

3. This Dte. General notification No. O.II-992/72-Estt., dated 8-12-78 is hereby cancelled.

The 10th July 1979

I

No. O.II-67/72-Estt.—On his retirement from Government service, Lt. Col. V. K. Sahni, an officer of the Indian Army on deputation to the CRPF relinquished charge of the post of Principal, CTC-I, CRPF, Neemuch on the afternoon of 31st July 1976.

II

On his re-employment in the CRPF, Lt. Col. V. K. Sahni (Retd.) took over charge of the post of Principal, CTC-I, CRPF, Neemuch on the forenoon of 1st August 1976.

CORRIGENDUM

Reference this Directorate General Notification No. P.VII-4/73-Estt., dated 17-7-1973.

No. P.VII-4/73-Estt.—The name of Shri Bhup Singh at serial number 33 of the above mentioned notification may please be amended to read as 'Bhup Singh Yadav'.

No. D.I-13/78-Estt.—On their services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Government of India, the undermentioned officers are appointed as Dy. S. P. (Coy. Comdt/Quarter Master) in the units of this Force with effect from the dates mentioned against their names :—

S. No.	Name of the Officer	Unit	Date
1.	Shri S. C. Chawla	53 Bn	11-6-79 (FN)
2.	Shri H.S. Arneja	30 Bn	15-6-79 (AN)

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 30th June 1979

No. 10/35/78-Ad.I-11926.—The President is pleased to appoint Dr. B. K. Roy, Map Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Assis-

tant Registrar General (Map) on *ad hoc* basis in the same office, as Assistant Registrar General (Map) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 4th June 1979, until further orders.

The 5th July 1979

No. 11/78-79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Jaya Rao, an officer belonging to the Andhra Pradesh Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, with effect from the afternoon of 22nd June 1979 until further orders.

2. The headquarters of Shri Jaya Rao will be at Hyderabad.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

INSURANCE WING

New Delhi, the 5th May 1979

No. 51(12)Ins.I/76.—WHEREAS I. R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the Society known as Pen Friends Provident Insurance Company Limited, have been fully wound up;

NOW, THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said Society dissolved.

R. K. MAHAJAN
Controller of Insurance

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 23rd June 1979

No. 4011(1)/79/AN-II.—(1) The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation.
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	B.S. Malhotra (P/168)	Permanent Accounts Officer	31-8-78	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.
2.	Takhat Singh (P/612)	Do.	31-8-78	Do.
3.	R.L. Chibber (O/NYA)	Officiating Accounts Officer	31-10-78	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.
4.	R.R. Jolly (P/5)	Permanent Accounts Officer.	31-3-79	Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut.
5.	K.K. Adkar (O/138)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South Madras.
6.	S. Gopalakrishnan (P/28)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona
7.	S.R. Verma (O/142)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
8.	Madan Lal Kapur (O/192)	Do.	31-3-79	Do.
9.	R. Jayaraman (P/91)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.

1	2	3	4	5
	S/Shri			
10.	R. Devarajan (P/540)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
11.	P.L. Sharma (P/597)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Do.
12.	G.L. Makashir (O/25)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Do.
13.	Ram Chandra Guglani (P/68)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (AIR FORCE), Dehradun.
14.	P.R. Gopaladesikan (P/214)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
15.	Jagadishwar Mukherjee (O/NYA)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
16.	D. Ramaswamy (O/250)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
17.	R. Krishnamurthy (P/347)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut.
18.	Himat Rai Kapoor (O/245)	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
19.	B.S. Thapar (P/444)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Do.
20.	H.R. Sehgal (P/197)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Do.
21.	Baldev Mitra (P/22)	Do.	30-4-79	Do.
22.	K.L. Kapoor (P/256)	Do.	30-4-79	Do.
23.	M.G. Joshi (P/271)	Do.	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
24.	Ajit Kumar Basu (P/504)	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
25.	Om Prakash Ghai (P/525)	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of defence Accounts (Air Force), Dehradun.
26.	K. Venkatachalam (P/61)	Permanent Account Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
27.	K. Gopalakrishnan (P/370)	Officiating Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
28.	H.K. Gupta (P/339)	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
29.	K. Krishnan (P/23)	Do.	30-4-97	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
30.	P.L. Syal (P/452)	Do.	30-4-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
31.	R. Srinivasan (P/66)	Do.	30-4-79	Do.
32.	M. Damodaran (P/159)	Do.	30-4-79	Do.
33.	H.L. Kharbanda (O/272)	Officiating Accounts Officer	30-4-79	Do.
34.	K. Bhaktavatsal Rao (P/56)	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks), South, Madras.
35.	N. Krishnamurthy (P/319)	Do.	30-4-79	Do.

1	2	3	4	5
	S/Shri			
36.	T. Abraham, (O/118)	Officiating Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks south Madras.
37.	K. Visveswaran (NYA)	Do.	28-2-79	Do.
38.	S.S. Shenitkar (NYA)	Do.	30-1-79	Controller of Defence Accounts (Officer), Poona 1.
39.	Y.W. Tare, (O/394)	Do.	31-5-79	Do.
40.	M.V. Mandavgane, (P/528)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.
41.	S. Ramasubramaniam, (NYA)	Officiating Accounts Officer	31-5-79	Do.
42.	J. Ramanand (P/320)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.
43.	A.S. Venkatasubramaniam (P/113)	Do.	31-5-79	Do.
44.	C. Bapiraju, (P/136)	Do.	31-5-79	Do.
45.	Hari Ram Batra, (P/124)	Do.	31-5-79	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
46.	Ramapada Roy, (P/191)	Do.	31-5-79	Controller of Defence Accounts Patna.
47.	S.N. Phathak, (O/242)	Officiating Accounts Officer	31-5-79	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona-1.
48.	K. Padmanabhan, (P/74)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.
49.	V.R. Seshadri (P/245)	Do	31-5-79	Do.
50.	G.S. Kulkarni, (O/13)	Officiating Accounts Officer	3-5-179	Controller of Defence Account t (Other Ranks), south Madras.
51.	M.V. Ramamurthy, (P/4)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.
52.	D.N. Venkataraman, (P/142)	Permanent Accounts Officer,	31-5-79	Do.
53.	S. Ramanathan, (P/393)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.
54.	O.P. Vaish, (P/1)	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.

(1) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts officers.

Sl. No.	Name Grade & Roster No.	Date of death	Struck of strength of the Deptt.	Organisation
	S/Shri			
1.	R.C. Aggarwal, Pt. AO (P/487)	10-12-78	11-12-78 (FN)	CDA NC Jammu.
2.	I.S. Sarna, Pt. AO (P/234)	18-1-79	19-1-79 (FN)	Jt. CDA (Funds) Meerut.
3.	P.N. Malhotra, Pt. AO (P/363)	6-2-79	7-2-79 (FN)	CDA (Ors) North Meerut.
4.	Gokul Chandra Das (Offg. AO O/388)	22-3-79	23-3-79 (FN)	CDA CC Meerut.

Delete Sl. No. 34 of this office No. 40011 (2)/78/AN-A dated 5-8-1978 pertaining to Shri Joga Singh Pt. AO (P/446).

2. Having given notice of voluntary retirement from service on 12-10-78 under the provisions of Article 459(1) CSR Vol-I (corresponding Rule 56 (k FR) and the same having been noted Shri T.V. Srinivasan Pt. AO (P/55) transferred to Pension establishment w.e.f. 18-4-79 (AN) Shri T.V. Srinivasan has been granted E.L. for 59 days from 20-10-78 to 17-12-78 and half Pay Leave for 121 days from 18-12-78 to 17-4-1979 preparatory to his retirement.

S.N. CHATTOPADHYAY
Dy. Controller General of Defence Accounts(Pers).

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE SCHEME

Calcutta, the 2nd July 1979

No. 9/79/A/E-I(NG)—The DGOF/Chairman is pleased to promote the following individuals in offg. capacity without effect on seniority in grades and on dates shown against each :—

1. Shri Sudarsan Barua, Permt. Asstt.	Offg. Assistant Staff Officer, (Group 'B' Gazetted)	4-5-79
2. Shri Sati Nath Mukherjee, Permt. Asstt.	Do.	Do.
3. Shri Sakti Ram Mukherjee, Permt. Asstt.	Do.	Do.
4. Shri Sunity Kr. Bhattacharjee, Permt. Asstt.	Do.	Do.
5. Shri Durgapada Mandal, Permt. Asstt.	Do.	Do.
6. Shri Manindra Nath Gupta, Permt. Asstt.	Do.	Do.
7. Shri Santosh Ch. Sarkar, Offg. Asstt.	Do.	Do.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/ADMIN
for ORDNANCE FACTORY BOARD

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE
AND LABOUR INSTITUTE

Bombay-400022, the 25th June 1979

No. 15/10/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri T. C. Saha, as a Research Officer (Chemical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th June 1979, until further orders.

A. K. CHAKRABARTY
Director General

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 27th June 1979

No. EST.I-2(575)/3057.—The Textile Commissioner is pleased to appoint Shri S. D. Kamble, Assistant Director, Grade I (Non-Technical) on regular basis with effect from 4-3-1979, and until further orders in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

J. C. HANSDAK
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 29th June 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, add the following under Class 3-Division I, namely :

- (i) add "DENESPEX—U.K. make provisionally upto 8th May, 1980, for use in underground Coal Gass Mines" after the entry "CORDITE WM".
- (ii) add "DYNAMITE III—Belgium make" before the entry "GELAMEX-B-U.K. make".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

14—166GI/79

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th June 1979

No. A.19012(91)/77-Estt.A.—Shri R. N. Koshta, Permanent Senior Technical Assistant is promoted to officiate as Assistant Research Officer (O.D.) in this department on regular basis with effect from 14th June 1979 (AN) until further orders.

No. A.19012(100)/77-Estt.A.—Shri V. K. Tarsekar, permanent Senior Technical Assistant (Chemistry) is promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in this department on regular basis with effect from 14th June 1979 (F/N) until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 3rd July 1979

No. F.1-5520/579-Sel.74(CI.II).—In continuation of this office Notification No. F.1-5371/579-Sel.74(CI.II), dated 30th May 1978 the *ad-hoc* appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' Service is further extended for a further period of six months w.e.f. 31-3-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA
Major-General
Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 5th July 1979

No. F.20(C-15)5/61-A.1(Vol. II).—Shri D. K. Chaudhari, Microphotographer expired on 16-6-1979.

B. S. KALRA
Administrative Officer
National Archives of India
for Director of Archives

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
BOTANICAL SURVEY OF INDIA
OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711103, the 22nd June 1979

No. BSI-66/123/79-Estt.—The Director, Botanical Survey of India hereby appoints Shri Debdatta Basu, Section Officer in the Office of the Accountant General, I, West Bengal, Calcutta as Accounts Officer, Central Office, Botanical Survey of India, Shibpur, Howrah in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity on deputation for a period of one year in first instance with effect from the forenoon of 7th June 1979 until further orders.

B. N. SEN GUPTA
Sr. Administrative Officer

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 5th June 1979

No. F.93-152/79-Estt./12006.—Shri K. N. Bhattacharya, Office Superintendent, Headquarters Office, Zoological Survey of India, Calcutta, is hereby appointed to the post of Junior Administrative Officer (Group-B) in the scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Headquarters Office, Calcutta in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 8-6-79 (forenoon), until further orders.

D. T. N. ANANTHAKRISHNAN
Director
Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th June 1979

No. 3/96/60-SII.—Shri Ershad Ali, Administrative Officer, AIR, Imphal expired on 12-4-1979.

Y. VARMA
Section Officer
for Director General

New Delhi, the 30th June 1979

No. 10/1/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Mohinder Singh Badhan, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Leh with effect from the forenoon of 30th May 1979, until further orders.

The 4th July 1979

No. 10/4/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. William Carey, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra, Srinagar with effect from the forenoon of 7th May 1979 until further orders.

The 6th July 1979

No. 10/2/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. Krishnan, Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Kurseong with effect from the forenoon of 30th April 1979, until further orders.

O. B. SHARMA
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 4th July 1979

No. 5/3/62-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri R. B. L. Morla, a permanent Technical Assistant and Offg. Superintendent, Films Division, New Delhi, as Asstt. Administrative Officer in a temporary capacity with effect from the 1st June 1979 (FN) until further orders.

No. 5/19/65-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri K. Sellan, a permanent Junior Booker and Officiating Salesman in the Films Division, Bangalore, to officiate as Branch Manager, Films Division, Trivandrum, with effect from the 8th June 1979 (AN) *vice* Shri V. K. Nair, Officiating Branch Manager, transferred to Bangalore.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(DRUGS SECTION)

New Delhi, the 17th July 1979

No. A.12025/5/78-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sangeet Kumar Sinha to the post of Drugs Inspector in the office of the Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standards Control Organisation, North Zone, Ghaziabad, on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 14th June 1979 and until further orders.

R. BALASUBRAMANYAN
Dy. Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 18th May 1979

No. PA/81(1)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned permanent Foreman of Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the forenoon of February 1, 1979, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :

S. No. and Name

1. Shri Mahadeo Ambaji Julkar.
2. Shri George Lobo.

V. R. PATGAONKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 21st June 1979

No. DPS/2/1(1)/77-Adm./16638.—In continuation of this Directorate Notification of even numbers dated July 10, 1978 and July 29, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis in the same Directorate for the periods mentioned against each :—

- (1) Shri V. V. Nair—1-8-1978 to 5-2-1979 (FN).
- (2) Shri M. R. Menon—1-8-1978 to 31-1-1979 (FN).
- (3) Shri Wazirchand (CSK)—1-10-1978 to 28-2-1979 (FN).

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

Bombay 400001, the 30th June 1979

No. DPS:23/8/77-Estt/17037—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accountants to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each :—

Sl. No.	Name	From	To
1	2	3	4
1. Shri J.G. Sathe		29-3-79 (FN) 21-5-79 (FN)	2-5-79 (AN) & 30-6-79 (AN)
2. Shri A.M. Parulkar		9-5-79 (FN)	8-6-79 (AN)
3. Shri Virender Kumar		14-5-79 (FN)	13-6-79 (AN)

B.G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

Bombay-400001, the 30th June 1979

No. DPS:A:11013:45:76:Est/17077.—On transfer from Nuclear Fuel Complex, Liaison Cell, Bombay, Shri Chalakudy Venkitachalam Gopalakrishnan, a temporary Assistant Personnel Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the forenoon of June 7, 1979 and until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 3rd July 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. V. Ramachandra Rao, Auditor, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, as officiating Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of June 8, 1979 until further orders.

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. K. Das, Section Officer, Office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh and Mizoram, Shillong, as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from 1-1-1979 (FN) until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 27th June 1979

No. A.32023/1/77/R-16055.—S/Shri R. Rajamani and K. Narayana Murthy who were promoted to officiate on an *ad hoc* basis from the forenoon of May 21, 1979 *vide* this Centre's Notification of even number dated June 2, 1979 have relinquished charges of the said posts with effect from the afternoon of June 20, 1979.

CORRIGENDUM

The 30th June 1979

The words "Feb 1, 1979" appearing in this Centre's Notification No. A.32013/7/79/R/18566, dated May 30, 1979 may please be corrected to read as "March 1, 1979".

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer
for Project Director

Kalpakkam, the 21st June 1979

No. A.32023/1/77/R-9672.—In continuation of this Centre's Notification of even number dated June 2, 1979, the Project Director, Reactor Research Centre is pleased to extend the appointment of Shri M. Krishnamoorthy, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre as Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre on an *ad hoc* basis, for a further period from the forenoon of May 27, 1979 to the afternoon of June 2, 1979.

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th June 1979

No. A 32013/4/78-EC—In continuation of this Deptt. Notifications No. A. 32013/4/78-EC dated 20-11-78 and dated 6-2-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following two Senior Communication Officers for a further period indicated against each or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Station of posting	Period of ad-hoc sanction.
1.	Shri R.C. Chitkara	Regional Director, CAD Bombay Airport, Bombay.	Beyond 29-3-79 and upto 30-6-79 .
2.	Shri N.B. Mathur	Regional Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 26-4-1979 and upto 26-7-1979

S.D. SHARMA
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 22nd June 1979

No. A-32014/1/78-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Date	Station of posting
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	H.S. Sandhu	5-11-79	Amritsar
2.	K.C. Jharia	6-11-79	Jabalpur
3.	C.V. Joseph	5-11-79	Madurai
4.	H.D. Ghosal	5-11-79	Belgaum
5.	P. Raghvan	5-11-79	Madurai
6.	P.K. Dey	5-11-79	Begumpet
7.	M.R. Naidu	5-11-79	Trivendrum
8.	Hans Raj	30-6-79	R.D. Office, New Delhi.
9.	M.K. Roy Chowdhury	5-11-79	Dum Dum
10.	J.R. Soni	5-11-79	Varanasi
11.	P.N. Dhar	5-11-79	Palam
12.	M.S. Sharma	30-6-79	Jaipur
13.	R.D. Bajpai	5-11-79	Dum Dum
14.	J.L. Kapoor	5-11-79	Bhuj
15.	M.G. Thorat	5-11-79	Nagpur
16.	Prem Kumar	5-11-79	Palam
17.	V.S.R. Rao	5-11-79	Vijayawada
18.	L.C. Chandwani	5-11-79	Bombay (Juhu)
19.	K.R. Pandulal	5-11-79	Trivandrum

V.V. JOHRI

Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th July 1979

No. 1/37/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. Venkateswara Reddy, as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in D.T.S., Poona, with effect from the forenoon of the 28th April 1979 and until further orders.

No. 1/482/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. Ramamurthy, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on *ad-hoc* basis, in the same Branch, for the following periods :—

(1) from 1-11-78 to 23-12-78.

(2) from 30-1-79 to 27-2-79.

The 7th July 1979

No. 1/51/79-Est.—Shri Uday Kumar Sinha, Temporary Assistant Engineer, D.T.S., Poona was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 16th May 1979.

No. 1/84/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on *ad-hoc* basis, in the same Branch, for the periods from (1) 26-12-1978 to 13-1-1979 and (2) 27-1-1979 to 17-2-1979.

No. 1/455/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Technical Assistant, Dehradun, as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch on *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 5th September 1978 to the 13th October 1978.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 4th July 1979

No. 16/321/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Anoop Kumar Rai as Research Officer at the Forest Research Institute and College, Dehra Dun with effect from the forenoon of 25th June 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN

Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 6th July 1979

No. 7/79.—Shri R. K. Kohli, Inspector (SG) of Central Excise of Delhi Collectorate, presently on deputation to the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, on his promotion as Supdt. Central Excise, Group 'B' Vide Central Excise Collectorate Delhi Estt. Order No. 183/1979, dated 11-6-79, is appointed as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi with effect from 16th June 1979 (FN).

DAYA SAGAR

Director of Inspection

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE
AND CUSTOMS

Patna, the 9th July 1979

No. II(7)2-ET/79/9769.—Sri K. P. Sinha, officiating Assistant Collector of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 30th June 1979 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 5th June, 1979

No. 2 —The following officers are hereby appointed in substantive capacity to the grade of District Opium Officer/Supdt. (Executive) Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-11000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each :

S. No.	Name and designation	Date from which Confirmed.	Post against which confirmed.
S/Shri			
1.	A. K. Das, District Opium Officer, Mandsaur-II	1-10-73	Post sanctioned vide Ministry of Finance, (Dep't. of Revenue & Insurance), New Delhi F. No. 11012/7/73-Ad IV, dated 7-5-74.
2.	K.P.N. Rai, Supdt. (Executive), Kota	27-1-75	Do.
3.	Santokh Singh, District Opium Officer, Jhalawar	27-1-75	Do.
4.	J. Maganji, Distt. Opium Officer, Bhawanimandi	27-1-75	Do.
5.	S.P. Srivastava Distt. Opium Officer, Barabanki-II	1-2-75	Do.
6.	D.B. Sharma, Distt. Opium Officer, Burdwan	9-2-76	Do.
7.	B.L. Bhandari, Distt. Opium Officer, Chittorgarh-II	12-2-76	Do.
8.	R.P. Nirmal, Distt. Opium Officer, Mandsaur-I	12-2-76	Post sanctioned vide Ministry of Finance, (Dep't. of Revenue & Insurance), New Delhi F. No. 11012/5/74-Ad. IV dated 5-4-75.

M. L. WADHAWAN
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 29th June 1979

No. A-19012/745/78-Adm.V. —Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. K. Giri, Supervisor (Electrical) under the Government of Sikkim, as Assistant Engineer (Electrical) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis for a period of one year w.e.f. 1-10-1978 to 30-9-79.

Shri A. K. Giri assumed charge of the post of Assistant Engineer in the office of Lower Lagyap Hydel Project Circle with effect from 30-9-78 (AN).

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 3rd July 1979

No. 27-S/G(4)/70-EC.II.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri R. B. Gupta, Superintending Engineer (Civil), C.P.W.D., to retire from Government service. Accordingly Shri Gupta retired from Government service in the afternoon of 21st June 1979.

B. R. RATTU
Dy. Director of Admn.
for Director-General (Works)

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

DEPARTMENT OF REHABILITATION

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Mana Camp, the 3rd July 1979

No. P.2/58/19935-P.—In continuation of this office Notification No. P.3/1/78-3014P dtd. 4th September 1978 the officiating appointment of Shri A. Gopala Rao, on *ad hoc* basis in the post of Assistant Engineer (Group B) in the scale of

Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation posted in FMU-7(B) Jagdalpur, Dist. Bastar (MP) is extended for a further period of 3 months with effect from 1-4-79 to 30-6-79.

2. Shri A. Gopala Rao, officiated as Assistant Engineer on *ad hoc* basis is reverted to his original post of Supervisor with effect from the AN of 30-6-79 and posted in FMU-7 (B), RRO, Jagdalpur, Dist-Bastar (MP).

O. S. GUPTA
Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRSDEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Patna, the 27th June 1979

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited*

No. (1311) 78-79/1199.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE
Registrar of Companies,
Bihar, Patna

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Keselec Railway Supply Company Private Limited*

Srinagar, the 30th June 1979

No. PC/379/2596.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Keselec Railway Supply Company Private

Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

M. M. SINGH
Registrar of Companies

Pondicherry-1, the 7th July 1979

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited*

No. 93/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies, Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M. P. Nihalani and Co. Private Limited*

Cuttack, the 21st June 1979

No. S.O. 722/304.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of Companies Act, 1956 that the name of M/s N. P. Nihalani & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Jyoti Silk Mills Private Limited*

Bombay, the 5th July 1979

No. 583/8400/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jyoti Silk Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI RAM
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX
(CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 28th June 1979

ORDER

No. 18.—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with immediate effect and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. On promotion, their services are placed at the disposal of the Commissioners of Income Tax indicated against each :—

Sl. No.	Name of the official	Services placed at the disposal of.
1.	Sri R.P. Agarwal, Meerut	C.I.T., Agra.
2.	Sri Suresh Chandra (SC), Kanpur	C.I.T. Kanpur.
3.	Sri Patirakhan Lal (SC), Kanpur	C.I.T., Agra.

No. 19.—Shri Suresh Chandra (SC) whose services are placed at the disposal of C.I.T., Kanpur is hereby posted as tax Recovery Officer, 'A', Kanpur.

No. 20.—Shri R.R. Hemrajani, Tax Recovery Officer 'A', Kanpur is hereby transferred and his services are placed at the disposal of C.I.T., Meerut.

B. GUPTA
Commissioner of Income-tax
(Cadre Control Authority)
Kanpur

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1921.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Devki Devi
W/o Shri Labhu Ram
4/1, Central Town Jullundur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Sukhdev Kumar and Naresh Kumar
Ss/o Shri Bir Bhan
Mandi Fenton Ganj, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 5414 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1922.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur Cantt. on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely:—

- (1) Shri Telu Ram Jain
S/o Shri Dhanna Ram Jain
R/o 34 Haqiqat Rd. Jullundur Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Singh Sandhu
S/o Shri Sulakhan Singh Sandhu
R/o Kothi No. 35 Haqiqat Rd. Jullundur, (Transferee)
- (3) As per schedule.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5672 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1923.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanmukh Singh
S/o Shri Ram Singh
R/o Sodal Rd. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Krishna Wanti
W/o Sh. Chaman Lal
R/o H. No. 177 Sodal Rd. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5965 of November, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1924.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anokh Singh Advocate
R/o Basti Danishmandan, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mahanbir Singh Minhas
S/o Shri Jarnail Singh
R o 168-New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale deed No. 6499 of December, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1925.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jullundur on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kundan Lal Chanan Singh
Ss/o Shri Rur Singh
R/o Sanghwal. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh
So Shri Ujagar Singh
S/o Shri Jagat Singh
R/o 32-Gian Nagar Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5715 November, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1926.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Krishan Lal, Kharaiti Lal and Romesh Chander and Jugal Kishore
Ss/o Shri Sant Lal Kapoor
R/o 4-Shiv Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur
W/o Shri Avtar Singh
C/o A. S. Machine Tools, Preet Nagar,
Sodal Rd. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5596 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 7-7-1979
Seal :

FORM—ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/51.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land measuring 245.5 sq. mtrs, situated at gali No. 3, Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal
s/o Shri Kundan Lal,
Calcutta through Sh. Tara Chand
s/o Shri Hari Chand,
R/o 76, Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Miri Mal
s/o Sh. Gehna Mal &
Shri Hans Raj
s/o Shri Miri Mal,
R/o Ktr. Moti Ram Gali Bagh Wali,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 245.5 sq. mtrs. Khasra No. 18 situated in Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in regd. deed No. 2531/1 dated 10-10-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-5-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/50.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One ½ building No. 1860 situated in Ktr. Sher Singh situated at (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sheela Anand alias Sheela Wati
wd/o Sri Ram Anand
r/o Katra Sher Singh,
House No. 1860, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Veena Mahajan
w/o Sh. Sat Pal Mahajan,
r/o Katra Sher Singh House No. 1860,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storeyed building ½ share, No. 1860 situated in Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in regd. deed No. 2633, dated 20-10-78 of the registering authority, Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/49.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One single Storey house situated in Railway Colony No. 4 Kot Khalsa, Amritsar, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harjinder Kaur
w/o S. Malkiat Singh,
H. No. 236, Railway Colony No. 4,
Kot Khalsa Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Avtar Singh Gill
Institute of Textile Technology,
P.O. R.S.M. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey house with No. 236 with plot of land measuring 333 1/3 sq. mtrs. situated opposite Railway Colony No. 4, Kot Khalsa, Amritsar as mentioned in registered deed No. 2055/1 dated 12-10-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/46.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building of single storey situated in Chatiwind, Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Manohar Singh
s/o S. Gurmakh Singh,
r/o Gali Kandharian, Nimak Mandi,
Amritsar (House No. 1062/8) (Transferor)
- (2) M/s. Guru Ram Das Ice Factory,
62-Sant Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building single storey with land area 225.76 sq. mtrs. bearing plot No. 143, Khasra No. 249, Khana Sumari No. 7675/16-25, Municipal Committee, situated in Chatiwind, Kot Mahan Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2450 dated 5-10-178 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/47.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 106 sq. mtrs situated in Cheel Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—166GI/79

- (1) S. Kirpal Singh
s/o S. Arjan Singh
r/o Village Pind Nawan,
Tehsil & Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Surinder Kaur Khurana
w/o S. Tarlochan Singh,
r/o Bajar Cheel Mandi,
Katra Mhan Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 106 sq. mtrs. situated in Cheel Mandi Katra Mahan Singh, Kita No. 2670-2671, 2440 & 2087/1-23 as mentioned in sale deed No. 2632 dated 20-10-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/48.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 106 sq. mtrs situated in Bazar Cheel Mandi situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. Kirpal Singh
s/o S. Arjan Singh
r/o Village Nawan Pind,
Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s. Khurana Timber Store,
Cheel Mandi Bajar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 106 sq. mtrs. situated in Bazar Cheel Mandi, Amritsar, Khola No. 2670-71, 2443/1-28 and 2087/1-22 as mentioned in registered deed No. 2878/1 dated 8-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-5-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, COMET HOUSE
691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-9

Pune-9, the 13th June 1979

Ref. No. CA.5/Igatpuri 'Feb.79/449/79-80.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 563A & 563B situated at Igatpuri, Dist. Nasik (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Igatpuri on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kekobad Peshoton Ghandy,
J.J. Building, 1st Floor, 277 Tardeo Road,
Bombay-400 007.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chandrakant Anandrao Bhojane,
Vijay Nivas, Gok-hale Road, Thane.
2. Shri Vasant R. Pradhan,
Shivaji Path, Thane.
3. Smt. Vidya G. Deshpande,
11 Vilasani, Shivaji Path, Thane.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 563A admeasuring 16091-13 Sq. Meters & CTS No. 563B admeasuring 1513-66 Sq. Meters with a building bearing House No. 78 situated at Igatpuri Dist. Nasik.

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 13-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE
691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-9

Poona-411004, the 18th June 1979

Ref. No. CA5/SR Haveli II/Dec 78/451.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 768 Sadashiv Peth, Pune 30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 14-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Pune Municipal Corporation Servant Corporation Servant Co-op. Bank Ltd.,
Chairman, K. P. Unavane
768, Sadashiv Peth Poona-30, (Transferor)
- (2) Shripad Shivallabh Sahakari
Griha Rachana Sanstha
768 Sadashiv Peth, Pune-30, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 768 Sadashiv Peth Pune-30 Area 373.10 sq mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2167 dated 14-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-6-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, POONA-411004.

Poona-411004, the 18th June 1979

Ref. No. CA.5/SR.Haveli II/Dec 78/452.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 57/2 Sub Plot No. 3, F. plot No. 86/3 situated at Erandawana, Pune-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveli II, Pune on 5-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. B. Kelkar & 5 others
M.T.G. Block D/50
Block No: 469, Gandhi Nagar
Bandra (East), Bombay-400051
2. Shri D. B. Kelkar
"Madhu Malati" 13th Lane
Prabhat Road, Pune-411004.
3. Shri V. B. Kelkar,
4-A, Suresh Colony, S.V. Road,
Vile Parc. Bombay-400056.
4. Smt. Padma R. Kalekar
5. Shri Vasudeo R. Kelkar
6. Master Vidyadhar R. Kelkar (Minor)
Kashi Niketan, Chembur-Govandi Road,
Chembur, Bombay-400071.

(Transferor)

- (2) Kanchan Gauri Co-operative Housing Society,
86/3 Kanchan Galli
Erandawana, Pune-411004.

(Transferee)

- (3) Members of the society.
(person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building situated Survey No. 57/2, Sub-Plot No. 3 Final Plot No. 86/3 Kachari Galli, Erandawana, Pune-4.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2056 dated 5-12-78 in the office of the Sub-registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Kirloskar Tractors Limited,
Nasik Road-422101.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Crompton Greaves Limited,
Kanjur Bhandup, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA-9

Poona-9, the 19th June 1979

Ref. No. CA.5/SR.Nasik/Dec 78/450.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.Plot No. 58, in Nasik, Industrial Area situated at
Satpur Taluka(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 13-12-78for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act,
-
- in respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
-
- of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
-
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30
-
- days from the service of notice on the respective
-
- person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
-
- immovable property, within 45 days from the
-
- date of the publication of this notice in the Official
-
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, in Nasik Industrial Area, Satpur Taluka, Dist.
Nasik, admeasuring 12936 sq. mts with buildings structures
installation thereon.(Property as described in the sale deed registered under No.
334 dated 13-12-78, in the office of the Sub-Registrar, Bombay.Smt. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1979

Ref. No. 82-B/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 64-B/3 situated at Alopi Bagh, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi Pandey
(Transferor)
(2) Shri Brij Kishore Agarwal &
Smt. Surja Devi Agarwal.
(Transferee)
(3) Smt. Shanti Devi Pandey.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 64-B/3 Alopi Bagh Allahabad alongwith lease plot No. 173, Alopi Bagh Avas Yojna Allahabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 5072 and sale-deed duly registered at office of the Sub-Registrar Allahabad on 21-11-1978.

AMAR SING BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-4-1979
Seal :

FORM IINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Mohammad Alim

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st May 1979

Ref. No. R-133/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Hal portion of house No. 72 situated at Major Ganj, Distt. Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house Number 72 situated at Mohalla Major Ganj, Distt. Sultanpur and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 3121 and; sale-deed duly registered at Office of the Sub-Registrar Sultanpur on 20-11-1978.

AMAR SING BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Mohammad Alim

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st May 1979

Ref. No. O-13/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of house No. 72 situated at Major Ganj, Distt. Sultanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sultanpur on 20-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—166 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house Number 72 situated at Mohalla Major Ganj, Distt. Sultanpur and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 3120 and sale-deed duly registered at Office of the Sub-Registrar Sultanpur on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE**

Bangalore-560001, the 15th May 1979

C.R. No. 62/22023/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 13 situated at Sapper Officer's Colony, Bangalore, in the lay-out formed by the Madras Sapper Officer's House Building Co-operative Society Ltd., in S. Nos. 97, 98/2, 98/3, 98/5, 99/1, 99/2 and 100 in Doddigunta Jeevanahalli Village, Bangalore. (Division No. 49). (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1769/78-79 on 4-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Sarat Chander, S/o Sri K. V. Banuchandran Pal, residing formerly at "Shanti Sadan", Red Fields, Coimbatore and presently at Emerald Valley Estate Emerald P.O. Nilgiris represented by Sri Akul Sunder Raj (Col. Retd.).

(Transferor)

(2) Mrs. Ponnamma John, W/o (Late) Capt. K. C. John, No. 57, Charles Campbell Road, Cox Town, Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1769/78-79, dated 4-10-1978)
Vacant site bearing No. 13, Sapper Officer's Colony, Bangalore, in the lay-out formed by the Madras Sapper Officer's House Building Co-operative Society Ltd., in Survey Nos. 97, 98/2, 98/3, 98/5, 99/1, 99/2 and 100 in Doddigunta Jeevanahalli Village, Bangalore. (Division No. 49).

Boundaries :—

East : Site No. 14.
West : Site No. 35.
North : Site No. 33 and
South : Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1979

C.R. No. 62/22279/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 77/80 (old), New No. 23, situated at Ratnavilas Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 2382/78-79 on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Selvaraj, S/o Sri P. S. N. Naidu, and Smt. S. Lalitha, W/o N. Selvaraj, No. 523, Rathnavilas Road, Bangalore City.

(Transferees)

(2) Shri A. N. Parthasarathy, S/o K. Ananthanagaraj, 62/95, Surveyor Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2382/78-79, dated 26-10-1978)
House Building bearing No. 77/80 (old) and New No. 23, Ratnavilas Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-5-79.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th May 1979

C.R. No. 62/22326/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 503/48, situated at 40th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Doc. No. 2133/78-79 on 24-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri D. S. Nagaraj, S/o Late Devatha Sreeramaiah Chetty.
2. Shri D. N. Pradeep Kumar, S/o D. S. Nagaraj.
3. Shri D. N. Praveen Kumar (minor) rep. by his father and natural guardian Shri D. S. Nagaraj all are residing at No. 163, 37th Cross, 7th Main Road, V. Block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferors)

- (2) Belagodu Trust, No. 313, 40th cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11, represented by its Managing Trustee Sri Belagodu Krishnaiah setty No. 275/1, 9/2 A main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2133/78-79, dated 24-10-1978)
Site No. 503/48, 40th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

North : Road,
South : Site Nos. 514 and 513,
East : Site No. 502 and
West : Site No. 504.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-5-1979.
Seal :

FORM IINS—

- (1) Shrimati Kamala Seshadri, W/o Sri R. K. Seshadri No. 71, Pachaiappa's Hostel Road, Chetpet, Madras-31, Rept. by her G.P.A. holder Sri U. Keshavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri P. Viswanatha Shetty, S/o Late P. N. Shetty, Prop. Mysore Commercial Corporation, No. 23, J. C. Road, Bangalore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/22741/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Corner vacant site bearing No. 144/1-B (144/3) situated at Mysore Road, Bangalore (Divn. No. 24), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagud Bangalore, Doc. No. 2353/78-79, on 16-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2353/78-79, dated 16-10-1978)
Corner vacant site bearing No. 144/1-B (144/3), Mysore Road, Bangalore (Divn. No. 24).

Boundaries :

East : Property No. 144/2 belonging to Sri Jayaraj.
West : Property No. 144/1, belonging to the Vendor leased to Bharat Petroleum Corporation and Mysore Road.
North : Mysore Road and
South : 1st Main Road, Chamrajpet.

H. THIMMAIAH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 14-5-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 16th May 1979

C.R. No. 62/22454/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107/1 (Vacant site), situated at VIII Main, Malleswaram, Bangalore-560003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 3307/78-79 on 2-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kamala Seshadri, W/o Sri R. K. Seshadri, 107, VIII Main Road, Malleswaram, Bangalore-51. (Transferor)

(2) Shrimati Nalini R. Kamath, W/o S. R. Kamath, No. 51, VIII Cross, 7th Main, Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3307/78-79, dated 2-11-1978)
Vacant site bearing No. 107/1, VIII Main Road, Malleswaram, Bangalore-560003.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-5-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th May 1979

C.R. No. 62/22526/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site bearing No. 294, situated at 1st Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1932/78-79 on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Wajida Mahaboob, W/o Late Shaik Mahaboob, House No. 16.8.932/1, Malakpet, Repld. by her P. A. H. Sri Mumtaz Ahmed, Taher, S/o Gulam Mohamed Taher, No. 29, Surpentine St., Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shrimati Sarojamma, W/o Sri N. Narayana Reddy, No. 481, Binramangal a Layout 1st Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1932/78-79, dated 20-10-78)
Site bearing No. 294, 1st Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore.

Boundaries :

East : Road,
West : Site Nos. 288 and 289,
North : Site No. 295 and
South : Site No. 293.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-5-1979.
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th May 1979

C.R. No. 62/22575/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 720, situated at Bhinnamangala Layout, Indiranagar, 1st Stage, Bangalore-38. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 2000/78-79 on 26-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. K. Subramanyam, S/o Late B. T. Kempanna, No. 32, 16th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati Ealamba, D/o Late Dr. Srikanta Sastry, No. 151/1, V. Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2000/78-79, dated 26-10-1978)
Vacant site bearing No. 720, Bhinnamangala Layout, Indiranagar, 1st Stage, Bangalore-38.

Boundaries :

East : Site No. 721.
West : Site No. 719.
South : Site No. 711, and
North : Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-5-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st May 1979

C.R. No. 62/22340/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26, Viviyani Road, situated at Richards Town, Bangalore (Divn. No. 48), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 2006/78-79, on 27-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18-166GI/79

- (1) 1. Wilfred D'Souza,
Advocate, No. 37,
Cubbon Road, Bangalore.
2. Tom D'Aguiar,
Viviani Road,
Bangalore.

(Transferors)

- (2) Shri I. P. G. Chander,
2. Smt. Susan Chander,
No. 152, Palm Road, Frazer Town,
Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2006/78-79, dated 27-10-1978)
Residential premises No. 26, Viviyani Road, Bangalore.

Boundaries :

East : Private property.
West : John Armstrong Road,
North : Conservancy Road,
South : Viviyani Road.

H. THIMMAIAH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-5-1979,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kumudben Ishvarlal Desai; Patidar Ashram,
Timaliavad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th March 1979

Ref. No. P. R. No. 658 Acq. 23-1327/19-8/78-79.—

Whereas, I S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Nondh No. 1068, Ward No. 11, situated at Limdi Kui,
Gopipura, Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat in November 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shri Hirulal Nagardas Gandhi; Shri Harishkumar
Nagardas Modi; Resi. Motamiya, Mangrol, Dist.
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Limdi Kui, Kanaiyalal Desai
Road, Gopipura, Surat, Nondh No. 1068, Ward No. 10, ad-
measuring 51.39 sq. mts. duly registered with the Registering
authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 26-3-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 659 Acq. 23-1328/19-8/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 318-319, 346 & 347 situated at Ward No. 5, Baranpuri Bhagol, New Vegetable Market, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Virmati W/o Mansukhlal Hiralal; Wadi Falia, Chakawala Sheri, Surat.
(Transferor)
- (2) Shri Ratilal Ranchhodlal Lapsiwala; Shri Lallubhai Ranchhodbhai Lapsiwala; Nanpura, Palia Mahollo, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring about 64 sq. yds. situated at Nondh No. 318, 319, 346 & 347, Ward No. 5, Baranpuri Bhagol, New Vegetable Market, Surat duly registered with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 26-3-1979,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1979

Ref. No. P.R. No. 661 Acq. 23-1330/7-4/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 607, Ward No. 6, City S. No. Tika No. 61 situated at Jain Society, Station Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vanmalibhai Jagjivandas Patel; Jain Society, Navsari.

(Transferor)

- (2) Shri Bhikhabhai Keshavbhai Patel; Resi, Chikhali (Dungar), Tal. Kamrej, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 74 sq. mts. situated at Jain Society, Station Road, Navsari, bearing H. No. 607, Ward No. 6, City S. No. & Tika No. 61, duly registered with the registering authority at Navsari in the month of November 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 28-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1979

No. Acq. 23-I-1962(807)/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Two storeyed building standing on land 299-4-0 Sq. yds. situated at Collegewadi, Street No. 2/4 Near Dr. Radhakrishnan Main Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 9-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yashvant Tarachand Shah & others, 195, Bharali Nagar, New Delhi,

(Transferor)

- (2) Shri Labhshanker Vrajlal Mehta & Others, 2/4, Collegewadi, Near Main Dr. Radhakrishnan Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building standing on land 299-4-0 sq. yds. situated at Collegewadi, Street No. 2/4, Near Dr. Radhakrishnan Main Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4514/9-11-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1979

Ref. No. P.R. No. 663 Acq. 23-1160/19-8/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 65, 77 Ward No. 9, situated at Kotsalil Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri
 1. Gatubhai Rangildas (HUF) through Karta Jitendra Gatubhai Shah E-7, Sikka Nagar, Bombay-4.
 2. Induben Wd./of Gatubhai Rangildas —do—
 3. Indiraben daughter of Gatubhai Rangildas, S-48, Sikka Nagar, Bombay-4.
 4. Sarojben daughter of Gatubhai Rangildas, S-48, Firozsha Mehta Road, Shanta Cruz, West Bombay-54.
 5. Dinesh Gatubhai Shah, 7-Sikka Nagar, Bombay-4.
 6. Pradip Gatubhai Shah —do—
 7. Jyotsana daughter of Gatubhai Rangildas —do—
 8. Naresh Gatubhai —do—
 9. Doliben daughter of Gatubhai Rangildas, Resi. Prabhuta, Carter Road, Bandara, West Bombay-50.

(Transferors)

- (2) Dr. Sureshchandra J. Upadhaya; through : P. A. Holder : Dr. Rameshchandra J. Upadhaya, Amliran, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 101-17-17 sq. mts. at Ward No. 9, Nondh No. 65, 77 Kot Salil Road, Surat duly registered with Registering Authority at Surat in the month of November 1978.

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 26-4-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dineshchandra Jethalal Shah; Indiranagar,
Faramji Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Prafullaben W./of Indukumar Patel; United
Colony, Sama Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 673 Acq. 23-1230 6-1/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,
and bearingNo. 5, Indranagar Society, First Floor, Survey No. 589 situ-
ated at Behind railway Station, Baroda(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 13-11-1978,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Society Plot No. 5 (First Floor) Baroda and fully described
as per sale-deed No. 5970 registered on 13-11-1978.S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, AhmedabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-5-1979.

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Dineshchandra Jethalal Shah; Indranagar,
Faramji Road, Baroda.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 674 Acq. 23-1229-A/6-1/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. 5, Indranagar Society (Ground Floor) Survey No. 589
situated at Behind Railway Station, Baroda(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 13-11-1978,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);**Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—**(2) Smt. M. N. Patel; 5, Indranagar Society, Behind Gas
Office, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.**THE SCHEDULE**Land and building bearing Survey No. 589 in Indranagar
Society, Plot No. 5 (Ground Floor), Baroda and fully des-
cribed as per sale-deed No. 5269 registered on 13-11-1978.**S. C. PARIKH**

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd May 1979

No. Acq. 23-I-2041(811)/10-1/78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 211 to 214 & 215/1 situated at Saru Section Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 3-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19-166 G1/79

(1) M/s Rainbow Plastic Industries; through partner : Shri Amritlal Pethraj Shah; 40, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s Asha Rubber Industries; through partner : Shri Mohanlal Punjabhai Shah; B/2, M.P. Shah Udyog-nagar, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 13500 sq. ft. bearing S. No. 211 to 214 and 215/1, situated at B-2, M. P. Shah Udyog-nagar, Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2168 dated 3-11-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-5-1979,

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th May 1979

No. Acq. 23-I-2180(814)/16-6/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 330-331—Plot No. 15—Land admeasuring 994-6-0 sq. yds. situated at towards Dhebhar Road (East), Premji Gopa area, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 23-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ishaco Engineering Company, through partners:
1. Smt. Ishwariben M. Rindani and
2. Shri Kantilal Devshibhai; both of Near Mehta Petrol Pump, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

- (2) M/s Blue Nile Profile, through partner Shri Rajnikant Chatrabhuj Modi; and others, 'Rajni' Building, Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 994-6-0 sq. yds. bearing S. No. 330-331-paiki Plot No. 15, situated at Dhebhar Road (East)—Premji Gopa area—duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4684/23-11-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-5-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandkishore Ganeshilal 3, Krishna society, Near Law Garden, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th May 1979

No. Acq. 23-I-2215(817)/I-1/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 8, Hissa No. 31, S. No. 1461, situated at New Madhavpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Amratlal Jannadas Shah, 1354, Nagar Bhagat ni pole, Raipur, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 130 1/2 sq. yds. bearing S. No. 8, Hissa No. 31, S. No. 1461, situated at New Madhavpura, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 10555 dtd. 28-11-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 17-5-1979
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1979

No. Acq. 23-I-1961 (820)16-6/78-79.—Whereas, I. S. C.
PARIKH,being the competent authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable prop-
erty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingNo. Open plot of land adm. 548-3-0 Sq. Yrds. situated at Near
Dwarkadish Floor Mill at Tagore road, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 18-11-1978,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Lalitrai Navalchand Mehta and others. 7, Prah-
lad Plot, Mancha Kunj, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Himatlal Ranchhoddas Cholera, Patel Street,
Jalaram Bhavan, JASDAN (Dist. Rajkot).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 548-3-0 Sq. Sds. situated near
Dwarkadish floor Mill on Tagore road abutting Tagore road,
Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale
deed No. 4635/dtd. 18-11-78 i.e. property as fully described
therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 17-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Modi Ambalal Sankalchand, Partners : Ambalal Sankalchand and others. Pethapur, Gandhinagar (Tal.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Thakkar Ramanlal Laljibhai, Sector No. 28, Block No. 106/1 Gandhinagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 683 Acq. 23-1260/19-2/78-79.—
Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 679 admeasuring 87.5 Sq. metres situated at Sector No. 22, Gandhinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 679 situated in sector No. 22 of Gandhinagar and fully described in sale deed No. 1012 registered on 9-10-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lalejar Jamasji Kellawala, Nava Bazar, Kosamba, Dist-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gujarat Glass Pvt. Ltd. Director Kanubhai Natvarlal Parikh and others. Tarsadi-Kosamba, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 684 Acq. 23-1233/19-5-78-79.—

Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 647 and 661 Admeasuring 13 Acres and 9 Gunthas situated at Tarsadi—Kosamba, Surat District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangrol (Surat Dist.) on 27-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 13 Acres and 9 Gunthas at S. No. 647 and 661—Tarsadi—Kosamba, Surat District, and fully described in sale deed No. 2855 registered on 27-10-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-6-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th June 1979

Ref. No. Acq. 23-I-1960(821)/16-6/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 401 paiki Plot No. 7—Chamunda Foundry on land 1422-2-0 sq. yds situated at Umakant Udhyanagar, Mavdi Plot, Rajkot, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Royal Foundry through partners : Shri Kanjibhai Shamjibhai Patel and others, Mavdi Plot, Rajkot.
(Transferor)

(2) Shri Chamunda Foundry, through partner Shri Sailesh N. Shah Umakant Udhyanagar, Mavdi Plot, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building i.e. shed onland admeasuring 1422-2-0 sq. yds. bearing S. No. 401 paiki Plot No. 7 shed known as "Shri Chamunda Foundry" situated at Umakant Udhyanagar, Mavdi Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4654 November 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th July 1979

Ref. No. P.R. No. 688 Acq. 23-1260/19-2/78-79.—
Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 679, Sector No. 22, situated at Gandhinagar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Partners of Modi Ambalal Sankalchand;
1. Ambalal Sankalchand;
2. Rajnikant Ambalal Modi; and Legal Heir : Dahi-ben Ambalal Village : Pethapur, Dist. Gandhinagar.
(Transferor)
- (2) Thakkar Ramanlal Laljibhai; Sector No. 28, Block 106/1, Gandhinagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated in Sector No. 22 of Plot No. 679 at Gandhinagar Township. The property consists of a shop consisting of 3 parts 2 in front and one back 1/3 portion in front side and full portion of back side was rented. The transaction is duly registered at S. No. 1012/78 in the month of October 1978 with Sub-Registrar, Gandhinagar admeasuring 87.5 sq. mts. of land.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-7-1979
Seal :

FORM ITNS

1. Bazargate Coop : Hsg. Soc. : Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 Samraj Hansraj Bahri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/1672-3/78-79.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 23-10-1978 Doc. No. 5168/70R for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No : 5168 R and Registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—166GI/79

Date : 26-4-1979
Seal :

FORM ITNS

1. Bazargate Coop. Hsg. Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Suresh Hansraj Bahri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1979

Ref. AR-III/1673-4/778-79.—Whereas, 1.

V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 situated Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-10-78 Doc. No. 5167/70R for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Schedule mentioned in the Registered Deed No. 5167/70-R and registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4-79

Seal :

FORM ITNS— — — —

1. Vasantrao Bhaidas Bhatia

(Transferor)

2. New Haven Engineering Co : Pvt : Ltd.

(Transferee)

3 (1) M/s Bombay Box & Cartoon Co. (2) M/s. Bharat Vijay Hindu Hotel (3) Ruval Rubber Works (India) Pls. India

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.III/1670/1/78-79.—Whereas, 1. V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 192, 192/1 194 & 194/3 S. No. 49 H. No. 3(pt) H. No. 4(pt) situated at Mogra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule mentioned in the Registered Deed No : S-46F-73 and registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. Ramprakash Mehra, Rapal Mehra, Jitanderlal Mehra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Crkay Silk Mills Pvt : Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-III/1671/2/78-79.—Whereas, I,
V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No : 11 H. No : 8 to 13(pt) & 15 No : 57 H. No : 9 & 11, S. No. : 30 H. No. : (pt) situated at village Mohili (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 30-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.473/73 and registered as 30-10-1978, with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-4-1979
Seal

FORM ITNS—

1. Juggat Pharma Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Neo Pharma Pvt : Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-III/1674/5/78-79.—Whereas, 1, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. : 4 Khoti S. No. : 353 H. No. : 3 (pt) S. No. : 359 H. No. : 1 (pt), 2 (pt) & 4 (pt) CTS. No. : 4102-E & 4102 E (1 to 11) situated at Kole Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-10-1978 Doc. No. S-2166/77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned on the Registered Deed No : S-2166/77 & registered on 27-10-1978 with the Sub-Registrar of Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Shreedhar A. Salvi & Shankar G. Prabhu Partners of
W/s Vishwakarma Builders & Combine

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Irene Comes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.III/1675/6/78-79.—Whereas, I,
V. S. SHESHADRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.

S. No : 144 City S. No : 830 situated at Amboli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No : PS-
837/76 Registered Deed No : PS-837/76 and registered on
25-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. The Swastik Textile Mills Ltd. (Transferor)
2. Balaka Coop. H. Soc. : Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.III/1680/10/78-79.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. : 49,50,51, S. No. : 14A (pt) situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-10-1978 Doc. No. S-697/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

3. S. No. Name
1. Dr. Bholanath Sasodhar Ghosh.
2. Dr. Subratkumar Anil Roy.
3. Smt. Namita Nripendra Kishore Choudhary.
4. Shri Prasanta Kumar Balailal Patra.
5. Shri Subirnal Suresh Chandra Basu.
6. Dr. Khagendra Sailendra Nath Roy.
7. Shri Arun Gangadas Bhattacharjee.
8. Shri Bainsi Ram Aggarwal.
9. Smt. Nita Alok Kumar Kulabhai.
10. Smt. Menashi Jog Sadhan Banerjee.
11. Smt. Kamal Yeshwanttrao Deshpande.
12. Smt. Nina Arvind Sawkar.
13. Shri Nirmal Kumar Benoy Krishna Pal.
14. Dr. Sunita Kumar Narendra Nath Mitra.
15. Smt. Neela K. A. S. Mani Subramaniam.
16. Smt. Suhasini Pramod Athavale.
17. Smt. Kusum Balwant Joshi.
18. Smt. Suman Suryakant Page.
19. Shri Parshasarathi Mininuralal Sengupta.
20. Smt. Abharani Ajit Kumar Mukherjee.
21. Smt. Maya Kalyan Kumar Choudhary.
22. Dr. Beligere Ramchandra Manjunath.
23. Smt. Mili Gour chandra Kar.
24. Smt. Mandi Santi Kumar Ghosh.
25. Shri Subir Kumar Ajayshree Chatterjee.
26. Shri Nimai Charan Niranjan Kumar Sinha.
27. Smt. Rekha Ajit Banerjee.
28. Shri Sunil Kumar Ajayshree Chatterjee.
27. Smt. Rekha Ajit Banerjee.
28. Shri Sunil Kumar Ajayshree Chatterjee.
29. Shri Purna Chandra S. Das Gupta.
30. Smt. Bhakti Amiya Mumar Choudhary.
31. Shri Dilip Jalit Mohan Ghosh.
32. Shri Prakash Pran Kumar Bhattacharjee.
33. Shri Sujit Kumar Samir Datta.
34. Shri Javanta Benoy Kumar Gohosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. : 697/78 and Registered as 19-10-1978 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM I.T.N.S.

1. Shri Parshotam Babani & Smt. Pushpa Ishwardas Tulsiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mahim Pushpa Kunj Flat Owners Coop : H. S. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-II/2696-1/Oct-78 ---Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. final plot No. 768 TPS No. : III situated at Mori Rd., Muhim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. No : , Name of Flat Holders.

1. Shri Dilip Kumar K. Bhandarkar.
2. Smt. Chitralekha S. Khetan and Shri Sitaram S. Khetan.
3. Shri B. N. Marathe.
4. Smt. Nirmalabai G. Ailani & Smt. Savitri T. Ailani.
5. Smt. A. E. Alpha.
6. Shri Victor Noronha.
7. Shri Daulatram K. Khubani.
8. Smt. Filomina Carvelle.
9. Smt. Jumnadas Khilandas.

Names of Shop Holders

1. Shri H. B. Dedarkar.
2. Dr. Renotoreis Fernandes Mrs. Milagrina Irene Fernandes.
3. Shri Mohan Tejmal Asrani.
4. Shri Mohamed Ghash Ahmed Husani.
5. Smt. M. T. D. Cruz and Shri Jerry D' Cruz.
6. Shri Parunath A. Pande, & Shri Vishvamath N. Dave.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No : 2481/71 (bom) and registered on 2-10-1978 with the Sub Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Modern Sixteen One Laboratory Pvt. Ltd.

(Transferor)

2. Blue Star Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. A.R/2700-5/Oct-78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 2 final Plot No. 1216 T.P.S. Bombay City No. IV situated at Veer Savarkar Marg Mahien (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—166 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. : 1491/77/Bom and registered on 5-10-1978 with the Sub Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AIR-II/2702-7/Oct-78.—Whereas, I,
V. S. SHESHADRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
City S. No. : G/31-Plot No. 6 of TPS II situated at Village
Danda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 12-10-1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

1. Madhusudan Waman Kothare & Gajanan Wam
Kothari.
(Transferor)
2. Santacruz Ganesh Kripa Coop : Hsg Soc. Ltd.
(Transferee)
3. As per Annexure 'A'

ANEVURE 'A'

Sr. No. & Name of Present owner

1. Smt. P. T. Desai.
2. Smt. K. B. Kapadia.
3. Shri K. M. Shah.
4. Shri D. M. Pancholi.
5. Smt. S. P. Khandekar.
6. Shri N. G. Doctor.
7. Shri B. L. Talwalkar.
8. Shri R. L. Thakkar.
9. Shri A. G. Shah.
10. Smt. M. S. Kapasi.
11. Shri A. K. Marfatia.
12. Shri P. S. Kothari.
13. Shri C. B. Khanpara.
14. Shri C. Desai.
15. Shri V. M. Gandhi.
16. Shri B. P. Desai.
17. Smt. I. B. Kapasi.
18. Shri D. B. Modi.
19. Shri P. R. Jalares.
20. Shri P. V. Pandit.
21. Shri J. B. Jariwala.
22. Shri K. P. Parikh.
23. Shri S. S. Doshi.
24. V. A. Shah.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. :
S-1251/74 and registered on 12-10-1978 with the Sub-Regis-
trar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-I/4065-38/Oct. 78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. S. No. 3/699, 698 (Pt) of Malabar Cumballa Hill Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Badruddin Tyabji (2) Mohsin Tyabji services executives of the late Faiz Badruddin Tyabji. (Transferor)
2. Tyabji Bagh Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)
3. Members of the Society. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 1689/72/Bom and registered on 16-10-1978 with the Sub. Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Re. No. RAC. No. 71/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-3-933, situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Narayana Rao,
H. No. 8-3-933 Plot No. 7
at Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Raghavan,
Behind Amrit Nivas Building,
Bank Street,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-3-933, Plot No. 7, situated at Srinagar Colony Hyderabad, registered vide Doc. No. 2809/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM 113

(1) Shri Sohan Lal, Sri Rikhikesh s/o Sri Ralia Ram
r/o Nahar Distt. Sirmour Himachal Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar, Mitrol s/o Sri Munshi Lal
r/o Laxmi Bhawan, Chhipi Tank (Meerut).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th June 1979

Ref. No. 478-A/PN/Mrt.—Whereas I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-
after referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 6-11-78for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

* Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One House property No. 32 to 36 Present No. 8 near
Lajpat Market near New Market Begam Bridge Road, Meerut
sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair
market value of which has been determined at Rs. 82,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Taravati w/o Mangal Ram
r/o Prahlad Nagar, Mrt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 466-A/PN/Mrt.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 20-11-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal, Amar Singh
s/o Ram Chander, Faqir Chand s/o Sadhu Ram,
Amarnath s/o Mahesh Chandra
r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1672 sq. yd. No. 177 & 178 situated at
village Mohkampur Distt. Meerut sold for an apparent con-
sideration of Rs. 33,440/-, the fair market value of which has
been determined at Rs. 66,880/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dhan Devi w/o Lala Hari Chand
Kishanpura, Gandanala, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal,
Amar Singh S/o Ram Chandra,
Faqir Chand s/o Sudhu Ram,
Amarnath s/o Mchar Chandra,
r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 467-A/PN/Mrt.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Meerut on 20-11-78for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 1672 sq. yd. No. 177 & 178 situated at
village Mokhampur, Distt. Meerut sold for an apparent consi-
deration of Rs. 33,440/- the fair market value of which has
been determined at Rs. 66,880/-.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Prakash s/o Hari Chandra
r/o Haridwar Kutti Chatan Dev.

(TRANSFER)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No.468-A PN/Meerut.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal,
Amar Singh s/o Ram Chandra,
Faqir Chand s/o Sadhu Ram,
Anarnath s/o Mehar chand,
r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Measuring 836 sq. yds. No. 177 & 178 situated at vill. Mohkampur, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 16,770/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 33,540/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Prakash s/o Deewan Chandra
r/o Bilaspur, Ambala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 469-A/PN/Mrt.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
numberAS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

22-166 GI/79

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal,
Amar Singh s/o Ram Chandra,
Faqir Chand s/o Sadhu Ram,
Amarnath s/o Mehar Chand,
r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 836 sq. yds. No. 177 & 178 situated at
Delhi Road, Meerut sold at an apparent consideration of
Rs. 16,720/-, the fair market value of which has been deter-
mined at Rs. 33,440/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 472-A/PN/Meerut.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narottam Kumar Suri s/o Dr. Shivram Suri
r/o Dampiar Park Mathura,
Smt. Pushpa Anand w/o Sri Balraj Anand
r/o 30 Saket, Meerut.
(Transferor)

- (2) M/s. Nelco India Ltd. No. 8 Baghpat Road
through Sri Adesh Kumar s/o Sri Balraj Anand
r/o 30 Saket, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory—Nelco India Private Ltd. No. 9, Baghpat Road, Meerut the land measuring 1060 Sq. yd. sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 108,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No.480-A/PN/G. Bad.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Garh Muketshwar on 6-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kunwar Virendra Singh s/o Sri Raghubarsaran Singh r/o vill. Dhana Parg. & Teh. Garh Muketshwar Distt. Gaziabad,
Smt. Vijay w/o Sri Tapendra Singh,
Smt. Archana w/o Kunwar Virendra Singh,
Smt. Krishna Kumari w/o Raghubarsaran Singh
Vill. Dhana Parg. & Teh. Garhmukteshwar,
Distt. Gaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Daya Kishan Jain s/o Changa Mal Jain
r/o Moradabad Linepar Chiria Tola
Distt. Moradabad,
Sri Arun Kumar Jain s/o Sri Mahabir Pd. Jain
r/o 1729 Dari Vakala, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture cold storage, Baraikhana situated at Simmavali Parg. & Teh. Garhmukteshwar Distt. Gaziabad No. 235, 236 in south Darwaza Badhu Sarak P.W.D., Delhi Gate road in west Field Batali, in North Field Sri Hariram Sharma and in South—there is a way for Middle School situated at Simmavali Parg. & Teh. Garh Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 171,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref No. 596/Acq./Kalpi/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalpi, Jallaun on 27-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ram Asrey s/o Jagat Narain, Radhey Shyam, Sita Ram Har Narain Gupta sons of Jagannath r/o Mauja Devrahat Bhognipur.
(Transferor)

(2) Smt. Ghasani w/o Vakil Singh, Chotey Babu, Ramvali Singh, Ramesh Singh, Virendra Singh sons of Bhikeey Singh r/o Bhurpur, Kalpi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Kita/18 Bigha 84 Biswa situated at Bhadreshi Pargana Kalpi sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 97,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 654/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Jugal Kishore Arora s/o Nanak Chand
r/o Vijainagar Colony, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Badri Pd. Agarwal, Sri Phool Chandra Agarwal, and Rajendra Kumar Goel
s/o Sri Nemi Chand Agarwal
r/o 933 Boraulia building, Belanganj, Agra-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 163 measuring 564 sq. yd. ment 471.58 sq. meter situated at New Agra sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined of Rs. 87,300/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-6-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref No. 408-A/Kanpur.—Whereas L. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anand Prakash Gupta s/o Late Babu Ram Gupta 7/198 Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Kanpur Nursing Home Pvt. Ltd., 113/74 Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 90-H measuring 302 sq. yd. situated at 7/199 Swaroopnagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 45,300/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,400/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. N. Garg (Tilokinath Garg)
s/o Baldev Ram Garg r/o Reserve Bank of India
Mahatma Gandhi Marg, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jami Pal Yadav s/o Sri Babu Lal Yadav
r/o Mauja (Bausar) Tah. & Distt. Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 413-A/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at O. Scheme, Kidwainagar on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Obejections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 137 measuring 311 sq. yd. Block O Scheme No. 2 Kidwainagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 25,813/- the fair market value of which has been determined at Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ravindra Sharma s/o Bulaki Ram
r/o 3A Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri N. K. Gupta s/o Late Lala Madan Lal
r/o A-373 Defence Colony (New Delhi)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 400-A/G, Bad.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jadri on 25-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 679 measuring 5041 sq. yd. situated at Chaprauli sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 473-A/PN/Meerut.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—166GI/78

(1) Shri Ashok Kumar, Sri Anil Kumar Pisan
Sri Nathumal Kulkarni r/o Mohalla Thaparnagar,
Meerut.

(Transferors)

(2) Sardar Santokh Singh s/o Sardar Amar Singh,
Smt. Kuljit Kaur w/o Sardar Mohan Singh
r/o Mohalla Thaparnagar,
Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, one part of House No. 174, Present No. 144 near Mohalla Thaparnagar, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 215,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 277,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harikishan Lal s/o Sri Parasram Dazmadh
r/o vill. Ruthval post Gaguval Teh. Anandpur
Sahib Distt. Ropar, Punjab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. L. Sharma (Munni Lal Sharma)
s/o Late Radha Kishan, Smt. Jogendra Sharma
w/o M. L. Sharma r/o Second B 55, Nehrunagar,
Gaziabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 475-A/PN/G. Bad.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 18-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. K-5/7 situated at Kavinagar, Gaziabad measuring 750 sq. yd. sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1.39,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 516/Acq./Kharagarh/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharagarh, Agra on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shyam Lal s/o Sri Khyaliram r/o vill. & Post. Sarendhi Tah. Kheragarh Distt. Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Bedaria, Shankar s/o Sri Hogama r/o Laley vill. & Post Sarendhi Tah. Kheragarh Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khandhi Distt. Agra sold an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 90,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Rampal, Nathu Singh s/o Roshan Singh
r/o Dudia, Lodhamia Parg. Marhara Distt. Etah,
Marhara Distt. Etah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 543/Acq./Etah/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mainpuri on 25-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sirsatippu Parg. Marhara, Etah sold for an apparent consideration of Rs. 57,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 94,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Banarsi Das, Vishnu Prakash s/o Kashinath, Ashok Kumar s/o Banarsidas r/o Mathura.
(Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Devi w/o Sri Ramesh Chandra, Mahesh Chandra Agarwal s/o Sri Dau Dayal r/o Chowk, Mathura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 552/Acq. Mathura/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mathura on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, 2 & 3 No. 2518 situated at Rani Ki Mandi, Mathura measuring 4365 sq. meter sold for an apparent consideration of Rs. 185,669.55 P the fair market value of which has been determined at Rs. 436,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 553/Acq./Mathura/78-79.—Whereas I. B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mathura on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banarsidas, Vishnu Prakash s/o Kathi Nath, Mathura.
(Transferor)
- (2) Shri Dau Dayal s/o Sri Hoti Lal, Ramesh Chand s/o Sri Dau Dayal, Chowk, Mathura.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Kita plots No. 7 & 8 situated at Rani Ki Mandi, Mathura No. 2518 measuring 1427.54 sq. meter sold for an apparent consideration of Rs. 123,908/- the fair market value of which has been determined at Rs. 171,305/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 582/Acq./Hathras/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hathras on 26-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Phool Chand s/o Tursiram
r/o vill. Sadachan Post Adayan, Hathras.
(Transferor)

(2) Shri Ram Dayal s/o Liladhar, Om Prakash
Chandra Shekhar s/o Ram Dayal
r/o vill. Sadayan Post Sadayan, Hathras.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated village Sadayan, Hathras sold for an apparent consideration of Rs. 25,300/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 610/Acq./Deoband/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Punna s/o Badam, Ratiram s/o Amra Singh, Ram Singh, Ram Chandra s/o Bakhtawar vill, Khatkahedi, Parg. Rampur, Saharanpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Krishna Pal, Prem s/o Jai Singh, Mam Chand s/o Dhiraj Singh, Rakam Singh s/o Bharat Singh, Rafal Singh, Ratan Singh, Satpal Singh s/o Sitab Singh Vill. Makala Parg. Rampur, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring (3/4th part of 11 kita) situated at village Kharkahedi Pargana Rampur, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 55,868/- the F.M.V. of which has been determined at Rs. 97,760/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 652/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C.
Chaturvedibeing the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on 27-10-78for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

24—166GI/79

(1) Shri Ram Kumar Jain s/o Mohan Lal Jain
r/o Rui ki Mandi, Shahganj, Agra now residing at
Jaypur House Lohamandi, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Shivkant, Munna Lal s/o Sri Babu Lal
r/o vill. Kainthari Tehsil Dholpur, Bharatpur,
Rajasthan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property double storeyed, land measuring 235 sq.
meter and open space about 207 sq. meter No. 3/221 A Rui
Ki Mandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs.
82,000/-, the fair market value of which has been determined
at Rs. 138,000/-.B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref No. 655/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Gyan Singh s/o Late Dayal Singh, Smt. Ramrakhi w/o Late Sri Swaroop Singh, Manwar Vri Singh s/o Sardar Sarup Singh, Rajendra Singh s/o Late Sardar Kripal Singh, Akhtar, Jaswant Kaur w/o Sardar Kripal Singh, Harinder Singh, Jatvir Singh sons Late Sardar Kripal Singh Idgah Colony Agra, Smt. Parmajit Kaur, Smt. Gurmit Kaur daughters of Late Sardar Kripal Singh through Mukhtarnama r/o Idgah Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Sri Satish Obrai s/o Sri Sriram Obrai r/o Idgah Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 9 Idgah Colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 82,700/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 674/Acq./Nakur/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Rahmu s/o Dalmir, Sabbu s/o Imamali r/o Khairsal, Post Janukhera Parg. Gagauh Tah. Nakur Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Sharif Ahmad, Imif Ahmad s/o Abdul Gafoor r/o vill. Gagauh Post Khas Tah. Nakur, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at vill. Khairsal Tah. Nakur Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 7,000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 57,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-79.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 678/Acq./Roorkee/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 16-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vinod Kumar s/o Sri Pyare Lal
r/o vill. Dhagodi, Mahavatpur, Roorkee,
Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Babu Ram Sharma s/o Sri Sadan Singh
r/o vill. Rohana Kalan Distt. Muzaffarnagar,
Surendra Kumar Sharma s/o Sri Babu Ram
Sharma r/o vill. Sheikhupuri, Roorkee, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 501(3-4) Inside hata 40 Civil Lines, Roorkee Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 63,000/- the fair market value of which has been determined of Rs. 100,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. Acq/491/Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 30-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharad Kumar Gupta, s/o Shri Chandra Prakash Gupta, r/o Mohalla : Savni, Vill : Najibabad, Distt. Bijnor, as Mukhtar Khas of Smt. Pushpa Kumari, w/o Shri Chandra Prakash Gupta, r/o Mohalla : Savni, Vill. Najibabad, Distt. Bijnor.

(Transferor)

- (2) S/Shri
(1) Kailash Chandra Gupta, w/o Shri Mithan Lal r/o Noori Darwaza, Agra.
(2) Rajendra Prasad Sharma, s/o Shri Dinanath, Shitla Gali, Agra.
(3) Ram Kumar Gupta, s/o Shri Sri Ram Gupta, r/o Gur-ki-Mandi, Agra.
(4) Smt. Urmila Devi, w/o Shri Ramesh Chand Jain, r/o Lal Darwaja, Moti Katra, Agra, and
(5) Smt. Sarwan Kumar, w/o Shri Jagswaroop Jain, r/o Shitla Gali, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1016 sq. yds. No. 13/208 (Old No. 1118), situated at Hala Budhan Syed Makhasa, Distt. Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/-, the fair market value of which exceeds more than 15 per cent thereof.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. 573/Acq./Saharanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 2-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

(1) Shri Bharteshwarnath Jaiu,
Rddl. Registrar, High Court, Allahabad,
Babu Chakreshwarnath Jain, Advocate,
A.D.G.C. Criminal, Saharanpur
s/o Late Lala Trilokinath Jain
r/o Chandranagar, Civil Lines,
Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Chandra Kapoor
s/o Late Lala Gauri Shankar Kapoor,
S/Shri Vijay Kumar Kapoor, Dinesh Kumar Kapoor
Ss/o Sri Ratan Chandra Kapoor
r/o Virnagar, Chilkana Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2/1389 situated at Chandra Nagar, Civil Lines, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 64,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 87,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-6-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. 733/Acq./F.Bad/78-79.-Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farrakhabad on 15-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Gopal
s/o Lala Pyarey Lal
r/o Ghumni Mohal, Pethawali Gali,
Shahar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chiranjit Devi Jauja Pt. Kishan Gopal,
Smt. Madhulata Devi Jauja Pt. Rakesh Kumar
r/o Farrakhabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 2/395 situated at Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 67,018/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-6-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Kundan Lal Chhabra,
s/o Shri Jiwan Das Chhabra,
r/o Rishikesh Parg. Parwa,
Dist. Dehradun.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

- (2) M/s. Khurana Brothers,
Mukherji Marg, Gopal Mandir,
Rishikesh,
Distt. Dehradun, through Manager,
Shri Manmohan Khurana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. Acq./857/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property having land area of 0.95 acre, covered area of 2154 sq. ft situated at Kheri Khurd, Parg. Parwara Distt. Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th June 1979

Ref. No. TR No. 701/Acq/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25--166GI/79

(1) Smt. Masood Fatma,
w/o Shri Akbar Hasan,
r/o 15/202, Doodhwala Bangla,
Civil Lines, Kanpur, and
Smt. Shamim Fatma, w/o
Shri Nasiruddin, r/o
14/147, Chunniganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Mohd. Rais, s/o
Haji Abdul Rashid, r/o
98/223, Beconganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 98/32, situated at Beconganj, Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/-. fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 51/NOV/78-79.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kottamettupatti Village, Omalur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Omalur (Document No. 1896/78) on November 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) S. Noorjahan, W/o Shri Nazrulla Basha, Perumampet, North Arcot Dist.

(Transferor)

- (2) Shri A. Sivasubramaniam, S/o C. Arumugha Gounder, Naickenpatti Village, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1896/78 SRO Omalur.

Agricultural lands—19.70 acres in Kottamettupatti Village, Omalur Taluk.

(Survey Nos. 165/2, 165/3, 156/3, 151/2, 151/6, 165/5, 165/4, 166, 155 and 156/5)

O. ANANDARAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 2-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 52/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 110 situated at Chellappampatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Mac Donald Choultry (Doc. 1214/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Rajeswari, W/o M. Paramasivam, 2. Shri Nithilan, S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Ramasamy Gounder, S/o Chellappa Gounder, Vattakadu, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1215/78 SRO Mac. Donald Choultry.
Agricultural lands of 3 acres at Survey No. 110 Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

O. ANANDARAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 2-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 53/NOV/78.—Whereas, J. O. ANANDARAM,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 110 situated at Chellappampatti Village, Sankari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Mac Donald Choultry (Doc. 1214/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Rajeswari W/o M. Paramasivam, and Minor Nithilan S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferor)

- (2) Smt. Pavayee, W/o Shri Ramasamy Gounder, Vattakadu, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1214/78—SRO Mac Donald Choultry.
Agricultural lands of 3 acres in Survey No. 110 at Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 2-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajeswari, W/o M. Paramasivam, Minor
Narendran S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Kaliannan, C/o Ramasamy Gounder, Vattakadu, Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 54/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 110 situated at Chellappampatti Village, Sankari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Mac. Donald Choultry (1213/78) on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1213/78 SRO Mac. Donald Choultry.

Agricultural lands of 3 acres in Survey No. 110 in Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 004

Date : 2-7-1979

Seal :

